वर्ष-3, अंक-22
इन्दौर, बुधवार
19 मार्च 2025
पृष्ठ 8, मूल्य 3 रु.

दैनिक
राष्ट्रीय जनभावना

RNI-MPHIN/2013/53761
DAVP 133088/20/02/2020

चाणक्य नीति
'जो धैर्यवान नहीं है उसका न वर्तमान और न ही भविष्य'
मुझे वह दौलत नहीं चाहिए जिसके लिए कठोर यातना सहनी पड़े, या सदाचार करना पड़े, या अपने शत्रु की चापलूसी करनी पड़े।
-चाणक्य

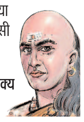

प्रधान संपादकः सुनील वर्मा मो.: 9425491979, E-mail: janbhavna.ind@gmail.com

अंतरिक्ष से धरती पर लौटी सुनीता विलियम्स

अंतरिक्ष गर्ल 286 दिनों तक रही अंतरिक्ष में

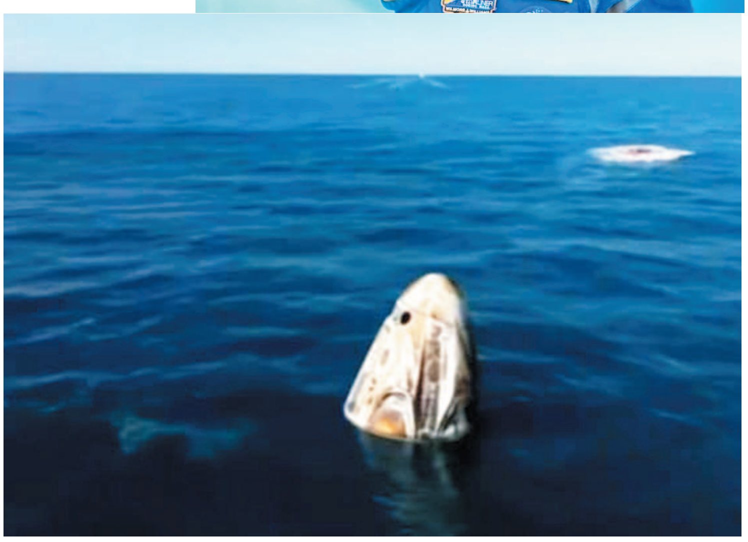

नई दिल्ली (राष्ट्रीय जनभावना)।

भारतीय मूल की अमेरिकी एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर 9 महीने 14 दिन बाद पृथ्वी पर लौट आए हैं। इनके साथ क्रू-9 के दो और एस्ट्रोनॉट अमेरिका के निक हेग और रूस के अलेक्सांद्र गोरबुनोव भी हैं। उनका ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट भारतीय समयानुसार 19 मार्च को सुबह 3ः27 बजे फ्लोरिडा के तट पर लैंड हुआ। ये चारों एस्ट्रोनॉट मंगलवार (18 मार्च) को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (ISS) से रवाना हुए थे। स्पेसक्राफ्ट के धरती के वायुमंडल में प्रवेश करने पर इसका तापमान 1650 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा हो गया था। इस दौरान करीब 7 मिनट के लिए कम्युनिकेशन ब्लैकआउट रहा, यानी यान से संपर्क नहीं रहा।

स्पेस स्टेशन से पृथ्वी पर लौटने में 17 घंटे लगे

ड्रैगन कैप्सूल के अलग होने से लेकर समुद्र में लैंडिंग तक करीब 17 घंटे लगे। 18 मार्च को सुबह 08:35 बजे स्पेसक्राफ्ट का हैच हुआ, यानी दरवाजा बंद हुआ। 10:35 बजे स्पेसक्राफ्ट ISS से अलग हुआ। 19 मार्च को रात 2:41 बजे डीऑर्बिट बर्न शुरू हुआ। यानी, कक्षा से उल्टी दिशा में स्पेसक्राफ्ट का इंजन फायर किया गया। इससे स्पेसक्राफ्ट की पृथ्वी के वातावरण में एंट्री हुई और सुबह 3:27 बजे फ्लोरिडा के तट पर समुद्र में लैंडिंग।

8 दिन के मिशन पर गए थे, लेकिन 9 महीने से ज्यादा समय लग गया

सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर बोइंग और NASA के 8 दिन के जॉइंट 'क्रू फ्लाइट टेस्ट मिशन' पर गए थे। इस मिशन का उद्देश्य बोइंग के स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट की एस्ट्रोनॉट्स को स्पेस स्टेशन तक ले जाकर वापस लाने की क्षमता को टेस्ट करना था। एस्ट्रोनॉट्स को स्पेस स्टेशन पर 8 दिन में रिसर्च और कई एक्सपेरिमेंट भी करने थे। लेकिन थ्रस्टर में आई गड़बड़ी के बाद उनका 8 दिन का मिशन 9 महीने से ज्यादा समय का हो गया था।

डॉल्फ़िन ने किया स्वागत

उनके लिए सबसे बड़ी हैरानी की बात यह रही कि जैसे ही अंतरिक्ष यान पानी में लैंड किया डॉल्फ़िन का एक समूह उनका स्वागत करने आया।एलन मस्क की स्पेसएक्स कंपनी ने क्रू-9 के अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित पृथ्वी पर लाने का जिम्मा उठाया था।

इस मिशन को ड्रैगन कैप्सूल के माध्यम से पूरा किया गया, जिसे फाल्कन 9 रॉकेट द्वारा लॉन्च किया गया था। अब क्रू-10 ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर ऑपरेशन्स संभाल लिए हैं।

सत्ता में बैठे लोगों के धन शोधन में शामिल होने से शासन पर जनता का विश्वास खत्म हुआ

सुप्रीम कोर्ट मनी लॉन्ड्रिंग मामले को लेकर जताई नाराजगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग और इसमें सत्ता में बैठे लोगों के शामिल होने पर नाराजगी जताई है। दरअसल, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जांच किए गए मामलों में गुजरात के पूर्व आईएएस अधिकारी प्रदीप शर्मा की याचिका खारिज कर दिया गया और कहा कि सत्ता में बैठे लोगों के धन शोधन में शामिल होने से शासन में जनता का विश्वास खत्म हुआ है और वित्तीय संस्थानों में प्रणालीगत कमजोरियां पैदा हुई हैं। न्यायमूर्ति विक्रमनाथ और न्यायमूर्ति पीबी वराले की पीठ ने उस याचिका को भी खारिज कर दिया जिसमें प्रदीप शर्मा ने गुजरात पुलिस द्वारा उनके खिलाफ दर्ज भ्रष्टाचार के कई मामलों की शुरूआती जांच का अनुरोध किया था। मनी लॉन्ड्रिंग, एक ऐसी वित्तीय धोखाधड़ी है जिसमें अपराधी अपनी सम्पत्ति के अवैध स्रोत को छिपाते हैं। इस धोखाधड़ी का मकसद कालेधन को सरकार और कानूनी एजेंसियों की नजरों से छिपाना होता है ताकि इसे बिना किसी शक के इस्तेमाल किया जा सके। मनी लॉन्ड्रिंग, दुनिया के ज्यादातर देशों में एक गंभीर अपराध है।

प्रियंका गांधी ने केंद्रीय मंत्री शिवराज से पूछे सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद में बजट सत्र के दूसरे चरण के दौरान मंगलवार को लोकसभा में प्रियंका गांधी वाड्रा और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के बीच सवाल जवाब का दौर दिखा। प्रियंका गांधी ने वायनाड में प्राकृतिक आपदा के बाद स्थानीय किसानों से जुड़ा सवाल कृषि मंत्री चौहान से पूछे। इसके जवाब में कृषि मंत्री चौहान से साफ कर दिया कि पीएम मोदी और केंद्र सरकार किसी राज्य के साथ भेदभाव नहीं करती है। उन्होंने आंध्र प्रदेश का उदाहरण देकर कहा कि दिक्कत हुई तब मैं खुद वहां गया था। लोकसभा में प्रियंका गांधी ने पूछा कि विदर्भ पैकेज के दौरान केरल के तीन जिलों को भी जोड़ा गया। वायनाड़ में आई प्रलह को देखकर क्या मंत्रालय वायनाड़ को लेकर कोई स्पेशन रिव्यू करने जा रहा है। इसके अलावा केरल के रबड़ किसान की परेशानियों को देखकर केंद्र कोई कदम उठा रही है। मिर्ची के दामों में उथल-पुथल को देखकर मंत्रालय के पास कोई स्पेशल प्लान है क्या प्रियंका के सवालों को जबाव देने के लिए कृषि मंत्री चौहान खड़े हुए। उन्होंने कहा कि किसान किसान हैं, चाहे केरल का हो या कर्नाटक का। भेदभाव का कोई सवाल नहीं है। मैं यह निवेदन करना चाहता हूं कि जब इस तरह की आपदाएं आती हैं, तब केंद्र सरकार हर राज्य एसबीआरएफ के तहत राज्यों को राशि आवंटित करता है।

योजना आयोग अनुशंसा करता है, उसके आधार पर ही ऐसा होता है। उसमें 75 प्रतिशत हिस्सा केंद्र का होता है और 25 प्रतिशत राशि राज्य की होती है। केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि आंध्रप्रदेश और तेजंगाना में दिक्कत हुई थी। अत्यंत बारिश के कारण बाढ़ की स्थिति पैदा हुई थी। केंद्रीय टीम वहां गई थी। वहां स्थिति का आकलन कर रिपोर्ट भी समिट की थी। इसके आधार पर फिर एनडीआरएफ की राशि राज्य सरकारों को दी जाती हें।

सुनीता विलियम्स की घर वापसी: अंतरिक्षयान में हुईं सवार

वाशिंगटन (एजेंसी)। भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स की धरती पर वापसी का इंतजार अब समाप्त होने वाला है। वह अपने साथी अंतरिक्ष यात्री बुच विलमोर के साथ स्पेसएक्स के क्रू ड्रैगन अंतरिक्षयान में सवार हो गई हैं, जो कुछ ही समय में पृथ्वी के लिए रवाना होगा। नासा के अनुसार, यह यान अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (आईएसएस) से अलग होकर मंगलवार शाम 5:57 बजे (अमेरिकी समयानुसार) फ्लोरिडा के समुद्र में स्प्लैशडाउन करेगा। भारतीय समयानुसार, यह बुधवार तड़के करीब 3 बजे होगा। नासा ने इस महत्वपूर्ण मिशन की लाइव ब्रॉडकास्टिंग भी शुरू कर दी है।

पत्नी की हत्या कर पति थाने पहुंचा

आगरा (एजेंसी)। आगरा में पति ने पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। करीब चार घंटे बाद थाने पहुंचा और पुलिस से बोला- मैंने पत्नी को मार दिया है। उसकी लाश घर में पड़ी हुई है। पुलिस घर पहुंची तो महिला का शव कमरे में जमीन पर पड़ा हुआ मिला। आरोपी ने बताया मेरा पत्नी से झगड़ा हुआ। उसने मुझे थप्पड़ मार दिया। मैंने गुस्से में आपा खो दिया। सास की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी पर केस दर्ज कर लिया है। मायके वालों ने अवैध संबंधों के विरोध पर हत्या का आरोप लगाया है। घटना थाना ट्रांस यमुना क्षेत्र की है।

ED ने जमीन के बदले नौकरी घोटाले में पूछताछ के लिए

लालू यादव, राबड़ी देवी और तेजप्रताप को किया तलब

पटना (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय ने जमीन के बदले नौकरी धन शोधन मामले में पूछताछ के लिए राजद अध्यक्ष और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद, उनकी पत्नी राबड़ी देवी और बेटे तेजप्रताप यादव को तलब किया है। इस मामले में अब ईडी एक्शन मोड में आ गई है। ये जानकारी आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को साझा की है। 76 वर्षीय लालू प्रसाद यादव को बुधवार को पटना में संघीय जांच एजेंसी के समक्ष पेश होने के लिए कहा गया है, जबकि उनके परिजनों को मंगलवार को पेश होने के लिए कहा गया है। सूत्रों ने बताया कि तीनों के बयान धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज किए जाने हैं। हालांकि, सूत्रों ने बताया कि लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार के सदस्य एजेंसी के समक्ष पेश नहीं हो सकते हैं। इस मामले में प्रसाद और उनके छोटे बेटे तेजस्वी यादव से ईडी पहले भी पूछताछ कर चुकी है। पिछले साल ईडी ने दिल्ली की एक अदालत में प्रसाद के परिवार के सदस्यों के खिलाफ मामले में आरोपपत्र दायर किया था, जिसमें राबड़ी देवी और उनकी बेटियों मीसा भारती और हेमा यादव के अलावा कुछ अन्य को भी आरोपी बनाया गया था।

सुविचार

सपने किसी जादू से सच नहीं होते हैं। सपने तो परीश्रम, पसीने और लगन से ही साकार होते हैं।

अनित कुमार राय टिंकू, बाघमारा, धनबाद।

संपादकीय

पाकिस्तानी सेना के ऊपर 48 घंटे में 57 हमले

सत्ता के आतंक और नेताओं के भ्रष्टाचार ने सारी दुनिया के देशों में सरकारों के खिलाफ जन विद्रोह की स्थिति पैदा कर दी है। दुनिया के अधिकांश देश इस समय आतंकवादी संगठनों तथा जनता की नाराजी को झेल रहे हैं। कई देशों में सत्ता बार-बार बदल रही है राजनीतिक स्थिरता खत्म होती जा रही है हाल ही में पाकिस्तान की बलूचिस्तान में बलूच लिबरेशन आर्मी ने जाफर एक्सप्रेस को हाईजैक करके पाकिस्तान सरकार की नींद उड़ा दी। पाकिस्तान की फौज ने 40 घंटा तक ऑपरेशन चलाकर जैसे -तैसे ट्रेन को छुड़ाया, इसमें दर्जनों लोगों की मौत हो गई। जिसमें सेना के जवान भी शामिल थे। इस घटना के बाद बलूच लिबरेशन आर्मी ने पाकिस्तानी फौज के काफिले पर हमला कर दिया। 90 जवानों को मार डालने का दावा आतंकवादी संगठन द्वारा किया गया है। 48 घंटे के अंदर आतंकवादी संगठनों ने 50 से ज्यादा हमले पाकिस्तानी सेना की टुकड़ी पर किए हैं। जिससे प्रतीत होता है कि पाकिस्तान गृह युद्ध में फंस गया है। शनिवार और रविवार को 57 हमले सेना पर हुए हैं। पाकिस्तान सरकार ने 16 लोगों की मौत और 40 लोगों के घायल होने की पुष्टि की है। इसमें ट्रेन हाईजैक के बाद आत्मघाती बम विस्फोट सबसे घातक हमला माना गया है। पाकिस्तान के तीन प्रांतों के 23 जिलों में लगातार हिंसक वारदाते हुई है। बलूचिस्तान से जो चिंगारी शुरू हुई,उसकी लपटे अन्य प्रांतो में भी पहुंचने लगी है। पाकिस्तान की सरकार को इन दिनों तीन मोर्चे पर एक साथ लड़ना पड़ रहा है। बीएलए ओर टीटीपी के साथ अब अफगानिस्तान बॉर्डर पर भी पाकिस्तान की सेना को लड़ना पड रहा है। अफगान के रास्ते पाकिस्तान में बड़े पैमाने पर नशीले पदार्थों और हथियारों की तस्करी हो रही है। जिस पर सेना नियंत्रण नहीं कर पा रही है। पाकिस्तान की सरकार पहले ही आर्थिक संकट से जूझ रही है। राजनीतिक अस्थिरता भी पाकिस्तान का संकट बढ़ा रही है। सरकार आतंकवाद को दबाने का जितना प्रयास कर रही है, उससे ज्यादा आतंकवाद फैल रहा है। एक मच्छर भी जीना हराम कर देता है। पाकिस्तान की सरकार और सेना ने आम पब्लिक के ऊपर जो कहर पिछ्ले कुछ वर्षों में बरपाया है। उसके कारण अब आतंकी संगठन हिंसक विरोध कर रहे हैं। जिसके कारण पाकिस्तान सरकार की रातों की नींद और दिन का चैन हराम हो गया है। पाकिस्तान में जिस तेजी के साथ महंगाई, आर्थिक संकटऔर बेरोजगारी बढ़ रही है। उसके कारण पाकिस्तान की स्थिति दिनों दिन खराब होती जा रही है। ऐसा लग रहा है, पाकिस्तान एक बार फिर विभाजन के कगार पर खड़ा हो गया है। सेना और सरकार राजनीतिक तरीके से मामलों को सुलझाने में पूरी तरह से असफल साबित हो रही है। जिसके कारण अब पाकिस्तान के दो टुकड़े होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। बलूचिस्तान और ख़ैबर पख्तूनख्वाह के कई इलाकों में आतंकवादियों ने कब्जा कर लिया है। अफगानिस्तान में तालिबानियों का कब्जा होने के बाद आतंकवादी संगठन पाकिस्तान में काफी मजबूत हो गए हैं। आतंकवादी ताकत के साथ सत्ता तक पहुंचाने के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं। उसमें उन्हें सफलता मिलती हुई दिख रही है। कहा जाता है, अति सर्वत्र वर्जयते, पहले पाकिस्तान की सरकार और सेना ने दमन की पराकाष्ठा को पार किया। अब नाराज जनता और आतंकवादी संगठन मिलकर पाकिस्तान की सरकार को सबक सिखा रहे हैं। श्रीलंका, बंग्लादेश के बाद अब पाकिस्तान में अराजक्ता की स्थिति पैदा हो गई है। पड़ोसी देश होने के कारण इसका असर भारत में पी पड़ना तय है। भारत के सीमावर्ती राज्य जम्मू -कश्मीर, पूर्वोत्तर राज्य, राजस्थान और गुजरात के कुछ इलाकों में इसका असर पड़ना तय है। भारत सरकार को सीमा पर अपनी सुरक्षा बढ़ाने पर ध्यान देना होगा।

लघुकथा

उम्मीद

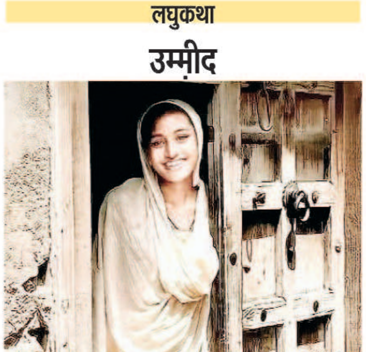

करीबन साल भर हो गया आफिया के अब्बाज़ान अफ़ज़ल मियाँ का इंतकाल हुए। हर साल अफ़ज़ल आफिया-रियाज की शादी के सालगिरह पर उन्हें मुबारकबाद देने आया करते थे।

पता नहीं क्यों आज, रियाज को आफिया के चेहरे पर वही उम्मीद दिखी, जो अक्सर सालगिरह के दिन दिखा करती थी। न चाहते हुए रियाज आफिया के करीब गया। सर पर दुपट्टा चढ़ाते हुए बोला- मेरी प्यारी बेगम ! मेरी जान ! न...न...न...! उम्मीद मत रखो इस दफा। अब्बू जान नहीं आ पायेंगे आज। रियाज की बातें सुन आफिया कुछ न बोली। डबडबाई आँखें लिये मुस्कुराती हुई दरवाजे के पास गयी- जानती हूँ रियाज। मेरे अब्बू नहीं आयेंगे। पर मुझे उम्मीद है, हसन मियाँ जरूर आयेंगे। आखिर वह मेरा बड़ा भाई है न। अब तो वे ही मेरे अब्बाजान हैं। आफिया को रियाज अचरज भरी निगाहों से देख रहा था।

टीकेश्वर सिन्हा 'गब्दीवाला'
घोटिया-बालोद (छत्तीसगढ़)
सम्पर्क : 9753269282.

कहानी

बहू का काम

ऑफिस से आने के बाद मैंने अभी घर में प्रवेश किया ही था कि देखा तो सामने सोफे पर सासू मां और ननद दिक्षा मुंह फुला कर बैठी हुई थी, जबकि पति समर का चेहरा भी गुस्से में तिल मिला रहा था। और तीनों ही मुझे घूर रहे थे। जैसे पता नहीं मैं क्या कर दिया हो। पर किया तो सचमुच मैंने ही था। मुझे मन ही मन समझ में आ गया कि आखिर आग लग ही गई, जो कि मैं सचमुच लगाना चाहती थी। लेकिन इतनी जल्दी आग लगेगी, इसका अंदाजा मुझे नहीं था। अभी एक घंटे पहले ही तो मैंने अपना काम किया था। और उसका असर इतनी तेज हुआ। मुझे तो यकीन नहीं हो रहा था। खैर, मैं अपनी तरफ से कोई बात शुरू नहीं करना चाहती थी। मैं तो चाहती थी कि शुरुआत ये लोग खुद करें। इसलिए बिना कुछ कहे अभी मैं कमरे में जा ही रही थी कि सासू मां ने मुझे रोक दिया, कहां जा रही है? पहले हमें जवाब देकर जा मैंने अपने कदम वही रोक दिए और उनकी तरफ पलट कर देखा। और फिर अनजान बनते हुए कहा,

क्या हुआ मम्मी जी? कोई बात हो गई है क्या? आज आप बड़ी गुस्से में लग रही हो मेरी बात सुनकर सासू मां और ज्यादा चिढ़ गई। और फिर गुस्से में बोली, आहा! देखो तो इसे। कैसे अनजान बन रही है। जैसे कुछ हुआ ही ना हो। सारी दुनिया में हमारी बुराई करती फिर रही है और कह रही है कि आखिर क्या हुआ। सारी दुनिया भर में ढिंढोरा पिटते फिर रही है कि हम इसकी कमाई खाते हैं। हमारा घर का खर्चा ही इसके पैसों से चलता है। सारी दुनिया में हमारी जग हंसाई करती फिर रही है उनकी बात सुनकर मैंने हैरान होते हुए कहा, पर मम्मी जी, मैंने तो किसी से कुछ भी नहीं कहा। भला आपको किसने क्या कह दिया अच्छा! भाभी आपने अभी एक घंटे पहले बुआ जी से फोन करके नहीं कहा कि इस घर की ईएमआई आपकी सैलरी से जाती है। यहां तक कि कई बार मम्मी की दवाई भी आपके पैसों से आती है। घर के खर्चों में आप भी अपनी सैलरी से हिस्सा देती हो ननद दिक्षा ने तमतमाते हुए कहा। इससे पहले कि मैं ननद को जवाब देती, तभी पति समर भी बीच में तमक कर बोले, अरे, मैं भी कमाता हूं। इस घर में बराबर पैसा खर्च करता हूं। लेकिन एहसान नहीं जताता हूं कि मैंने इतना कुछ किया है। सच ही कहा है किसी ने। एक आदमी अपनी पूरी कमाई घर में लगा दे तो ये उसकी जिम्मेदारी है। वो इसका ढिंढोरा भी नहीं पिटता। लेकिन एक बहू अगर थोड़े से भी पैसे खर्च कर दे तो एहसान हो जाता है। और फिर वो सबको बताती और फिरती है समर की बात सुनकर मैंने कहा, पर मैंने तो बुआ जी से सिर्फ इतना ही कहा था कि मेरी सैलरी का कुछ हिस्सा मैं घर में खर्च करती हूं। तो इसमें गलत क्या है? अब करती हूं तो करती हूं। झूठ तो कुछ भी नहीं बोला था मैंने। और वैसे भी फोन मैंने नहीं किया था। बुआ जी ने हाल-चाल पूछने के लिए फोन किया था तो बातों ही बातों में ये बात बोली थी मैंने मैंने इतने आराम से कहा कि सामने वाला इंसान और ज्यादा गुस्से में हो गया, अच्छा! ये गलत नहीं है? ये महारानी सब को कहती फिर रही है कि ये हमारे खर्चे उठाती है। जैसे इसके आने से पहले हमारे घर में तो खर्चे नहीं होते थे। और ऊपर से अब भोली बन रही है। घर सबका है। सब मिलकर अपना अपना योगदान देते हैं घर के खर्चो को पूरा करने में। तो एहसान जताने की जरूरत क्या है सासू मां हाथ नचाते हुए बोली। अच्छा मम्मी जी। आपको मेरा कहना बुरा लग रहा है? तो फिर एक बात बताइए। जब मैं कमाने जाती हूं तो घर का सारा काम करके जाती हूं। उससे मुझे कोई समस्या नहीं है। लेकिन जब कोई काम घर में रह जाता है। और वो घर के छोटे-मोटे काम आप लोग कर देते हो।

तो फिर आप लोग मुझ पर एहसान क्यों जताते हो। और फिर सबको कहते फिरते हो कि ये काम हमने किया, वो काम हमने किया। बहु तो काम छोड़ कर चली गई। जब घर सबका है तो काम की जिम्मेदारी भी सबकी है। फिर मुझ पर ऐसा एहसान क्यों। क्या ये गलत नहीं है? मेरे ऐसा कहते ही तीनों एक दूसरे की शक्ल देखने लगे। पर मैंने बोलना जारी रखा, क्या कह रहे थे आप? एक आदमी अपनी कमाई पूरी घर में लगा देता है लेकिन उसका ढिंढोरा नहीं पिटता। लेकिन अगर पत्नी के काम में थोड़ी सी मदद कर देता है तो उसका ढिंढोरा हर तरफ पीट देता है। तो फिर उसे तो बुरा मानना ही नहीं चाहिए जब पत्नी ये कहती है कि मैं भी कमा कर घर में खर्च करती हूं। मैंने तो एक बार कहा उसमें आप लोग चिढ़ गए। सोचो आप लोग तो अक्सर मेरे बारे में इस तरह की बातें करते हो। मुझे कैसा लगता होगा अब तीनों बिल्कुल चुप थे। उन लोगों को ऐसे ही छोड़कर मैं अपने कमरे में आ गई। अक्सर यही होता था मेरे साथ। मेरी जॉब भी सुबह 9:00 से 5:00 की थी लेकिन ऑफिस जाने से पहले सुबह जल्दी उठकर मैं घर का सारा काम करके जाती थी। जिस समय मैं काम कर रही होती थी, उस

समय घर में कोई भी किसी काम को हाथ तक नहीं लगाता था। मतलब सारा काम मेरी जिम्मेदारी थी। लेकिन हूं तो इंसान ही। कई बार कुछ काम रह जाते थे। ऑफिस टाइम पर पहुंचना होता था। इस कारण उन काम को मैं छोड़ देती थी। लेकिन समस्या उसके बाद शुरू होती थी। सासू मां और ननद पीछे से वो काम कर तो देती थी, लेकिन उसके बाद आस पड़ोस में, मौसी सास, मामी सास सबको जरूर बोल देती थी।

और फिर वो लोग जब मुझसे मिलती तो मुझसे दस सवाल करती। अरे तुम्हारी सास की आराम करने की उम्र है। उन्होंने तो अपने टाइम पर बहुत काम कर लिया। अब तो उन्हें आराम दो। बहू के होते हुए वो घर का काम करें अच्छा लगता है क्या। अगर नौकरी करने का इतना ही शौक है तो घर का पूरा काम करके जाया करो। आखिर वो काम भी तुम्हारी पहली जिम्मेदारी है सुनकर बुरा तो लगता है लेकिन क्या ही कहती। ये लोग तो बेचारे बन जाते थे और मैं अत्याचारी। जब इस बारे में समर से बात करती तो समर उल्टा मुझे ही डांट देते, इतना ही बुरा लगता है तो घर के काम करके जाया करो। क्यों काम छोड़ कर जाती हो सासू मां से कहती तो वो और चिढ़ जाती, अब तुम काम छोड़ जाती हो तो मुझे तो करना ही पड़ता है। जो सच है वही तो कह रही हूं। अगर लोगों के सामने इतना शर्मिंदगी लगती है तो सुबह जल्दी उठकर काम कर लिया करो अब कैसे समझाऊं? सुबह पांच बजे तो उठती हूं। और कितना जल्दी उठूं? इंसान हूं, कोई मशीन थोड़ी ना हो कि काम में ही लगी रहूं। आखिर मशीन को भी आराम चाहिए होता है। अब आज की ही बात लो। सुबह मैं रसोई में काम में लगी हुई थी। सबके लिए खाना और नाश्ता बना लेने के बाद रसोई को साफ कर सबको नाश्ता करने के लिए बोलकर मैं ऑफिस के लिए तैयार होने अपने कमरे में चली गई। जब तैयार होकर अपना टिफिन लेने वापस रसोई में आई तो तुम मेरे पैर वही ठिठक गए। देखा रसोई फैली पड़ी थी। मुझे ऐसे खड़ी देखकर सासु मां ने कहा, हमें पोहे नहीं खाना। आज मेरी और दीक्षा की उपमा खाने की इच्छा हो रही थी। तो सोचा अच्छे से सब्जियां डालकर उपमा ही बना लूं अरे उपमा बनाना था तो शौक से बनाती। पर पहले पोहे क्यों बनवाएं। अब बनवाए जो बनवाए लेकिन कम से कम रसोई तो साफ कर देती। मैंने मन ही मन सोचा। पर मेरा टाइम हो चुका था। तो रसोई को ऐसे ही छोड़कर मैं अपना टिफिन लेकर ऑफिस के लिए रवाना हो गयी। मुझे पता था कि इस बारे में भी बातें जरूर होगी। और मेरा अंदाजा बिल्कुल सही निकला, जब कुछ देर पहले बुआ सास का फोन आया। मेरे फोन उठाते ही उन्होंने कहा, अरे बहू, कैसी हो तुम? तुम्हारी तबीयत तो ठीक है? हां बुआ जी, मेरी तबीयत तो बिल्कुल ठीक है। आप ऐसा क्यों पूछ रही है मैंने उल्टा उनसे ही सवाल किया। वो दरअसल मैंने आज फोन लगाया था। तब भाभी कह रही थी कि तुम आज भी अपना घर का काम छोड़ कर आ गई थी। और तुम्हारी मम्मी जी अकेले काम कर रही थी तो मुझे लगा कि तुम्हारी तबीयत तो खराब नहीं है। इसलिए तुम्हारे हाल-चाल पूछने के लिए फोन लगाया था सुनकर मुझे बुरा लगा। सोचा कि क्या जवाब दूं। पर ये तो हमेशा का ही था। तभी बुआ जी ने कहा, देखो बहु, तुम कमा रही हो। पैसा सेव कर रही हो। अच्छी बात है। लेकिन कम से कम उनकी उम्र का भी तो ख्याल रखो। आखिर लोग बहु लाते किस लिए है कि बुढ़ापे में उनका सहारा हो जाए

सचमुच ऐसा लगा कि वाकई मैं तो बहुत ही बड़ी अत्याचारी हूं। सारा काम करने के बावजूद अगर सिर्फ रसोई साफ नहीं की। तो उसे साफ कर वो बेचारी बन गई। पता नहीं आज मुझे क्या हुआ। हर बार परिवार की इज्जत का सोच कर चुप रह जाती थी। लेकिन ये लोग तो मेरे सिर पर ही चढ़कर नाचने लगे थे। मैंने बुआ जी से कहा, बुआ जी कहां पैसे सेव कर पाती हूं मैं। आप तो घर की हो। आपको तो पता ही है कि विराट की इनकम से घर खर्च, दीक्षा की पढ़ाई, कोचिंग का खर्चा, कार की ईएमआई चली जाती है। बचता ही क्या है उनके पास। फिर मकान लोन लेकर हम लोगों ने बनाया था। तो उसकी किस्त के सारे पैसे मैं ही तो देती हूं। फिर मम्मी जी की दवाई के खर्चे भी मुझे ही करने पड़ते हैं। दीक्षा की शादी के लिए अलग से आर डी भी करवा रखी है तो हर महीने उसके पैसे भी कटते हैं। सेविंग तो नाम मात्र की ही होती है इसके आगे तो बुआ जी ने कुछ नहीं कहा। बस हाल-चाल पूछ कर फोन रख दिया। पर मुझे अब पक्का पता था कि वो अब घर पर फोन लगाएगी और इस बारे में अपनी भाभी से बात जरूर करेगी।

और मेरा अंदाजा सही भी निकला। और उसके बाद ही ये सारा हंगामा हुआ। फिर उसके बाद सब लोग मुंह खुल कर ही रहे। तीन-चार दिन तक तो किसी ने मुझसे बात भी नहीं की।

कोई बात नहीं। ना करें। मुझे क्या फर्क पड़ता है। आखिर कब तक बर्दाश्त करती रहती।

जब उन लोगों ने देखा कि ये तो आप माफी भी नहीं मांग रही तो अपने आप ही सब लोग नॉर्मल हो गए। पर उसके बाद अब कोई मुझे काम का एहसान नहीं जताता। आखिर पता था कि जैसे ही काम का एहसान जताएंगे, वैसे ही मैं भी बोलना शुरू कर दूंगी। आखिर जबान तो मेरी भी अब खुल चुकी थी।

विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रिंसिपल मलोट पंजाब

बस: एक चलता-फिरता लोकतंत्र

कहा जाता है कि अगर आप देश की असली स्थिति समझना चाहते हैं, तो संसद में मत जाइए– किसी सरकारी बस में यात्रा कर लीजिए। यहां हर विचारधारा का प्रतिनिधित्व मिलेगा, हर समस्या पर तगड़ी बहस होगी, हर वर्ग अपनी-अपनी चिंता के साथ मौजूद मिलेगा, और सबसे महत्वपूर्ण बात–यहां भी जनता की आवाज कोई नहीं सुनेगा। तो साहब, मैं भी इसी लोकतंत्र का एक हिस्सा बनने के लिए बस में चढ़ा। धक्का-मुक्की का हाल ऐसा था कि अगर इस प्रक्रिया को ओलंपिक में शामिल कर दिया जाए, तो भारत हर साल गोल्ड ले आए। किसी तरह एक सीट पकड़ने में सफल हुआ, और फिर शुरू हुआ भारत दर्शन। कॉलेज के विद्वान चिंतक सामने की सीट पर कुछ कॉलेजिए लड़के-लड़कियाँ विराजमान थे। इनके चेहरे पर पढ़ाई का कोई बोझ नहीं था, बल्कि जीवन को हल्के में लेने का आत्मविश्वास झलक रहा था। एक लड़की, जो मोबाइल में उँगलियाँ घुमा रही थी, अचानक पास बैठे लड़के से बोली– अबे, तू कल का क्या प्लान बना रहा है? लड़के ने अपने बाल झटकते हुए जवाब दिया– तू बता, मूवी या कैफे? लड़की ने घूरकर कहा– अबे नहीं बे, असाइनमेंट की बात कर रही हूँ!

पीछे से दूसरा लड़का, जो दार्शनिक मुद्रा में बैठा था, घोषणा करने लगा– देखो, असाइनमेंट और डेडलाइनें हमें मानसिक गुलामी की जंजीरों में जकड़ती हैं। असली ज्ञान किताबों में नहीं, ज़िन्दगी के अनुभवों में है।

ओह! बाकी दोस्तों ने सिर हिलाया। यह वही लड़का था जो पिछले सेमेस्टर में तीन बार बैक लगवा चुका था, लेकिन फिर भी खुद को आधुनिक सुकरात समझता था। मैंने मन ही मन सोचा कि देश का भविष्य इन्हीं के हाथों में है, और फिर दिमाग में पेट्रोल के बढ़ते दामों की तरह चिंता बढ़ गई। आंटियों का डिजिटल महायुद्ध पीछे की सीट पर कुछ आंटियाँ थीं, जो सत्संग में जा रही थीं, लेकिन उनका सत्संग तो बस में ही शुरू हो चुका था। एक आंटी ने चिंतित स्वर में कहा– अरी, मंजू को तो बता दिया कि हम सत्संग जा रहे हैं, लेकिन बाकी सहेलियों को सूचना नहीं दे पाई! दूसरी आंटी, जिनकी आँखों में अनुभव का तेज़ था, आत्मविश्वास से बोलीं– अरे, तू टेंशन मत ले! एक वाट्सएप ग्रुप बना न! एक ही बार में सबको मैसेज भेज दे। देखना, दस मिनट में सबका जवाब आ जाएगा! बिल्कुल सही! बाकी आंटियाँ एक स्वर में बोलीं, मानो यूएन में कोई प्रस्ताव पास हो गया हो। फिर अचानक चर्चा घरेलू मोर्चे की ओर मुड़ गई। मेरी बहू तो फोन पर ही चिपकी रहती है! घर का कोई काम नहीं करती। अरे छोड़, मेरी

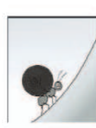

व्यंग्य
वक्रासन

वाली तो इतनी मॉडर्न है कि दूध उबल रहा हो तब भी गूगल सर्च करती है– 'क्या उबले हुए दूध में कैल्शियम कम हो जाता है?'! हाय राम! बाकी आंटियाँ घबराहट में सिर हिलाने लगीं। बुजुर्गों की अर्थशास्त्रीय समिति बस के कोने में कुछ बुजुर्ग बैठे थे, जिनका पसंदीदा विषय था– महंगाई और सरकार की नाकामी। एक चाचा जी, जो 1965 के बाद से हर सरकार को कोसने में विशेषज्ञता रखते थे, अख़बार मोड़कर बोले– देखो भाई, ये सरकार कुछ नहीं कर रही! टमाटर ऐसे महँगे हो गए हैं कि अब सब्जी में डालने से पहले घर की आर्थिक स्थिति पर मीटिंग करनी पड़ती है!

दूसरे चाचा ने गंभीरता से सिर हिलाया और बोले– और पेट्रोल? अब तो हालत यह है कि गाड़ी में तेल डालने से अच्छा है कि साइकिल खरीद लें। कम से कम सेहत भी सुधरेगी! तीसरे चाचा, जो सारी बहस के दौरान चुप थे, आखिरकार बोले– महंगाई-वहंगाई छोड़ो, ड्राइवर से बोलो, अगले ठेके पर बस रोक दे! कंडक्टर ने तिरछी नज़र डालते हुए कहा– बाबा, ये सरकारी बस है, ठेके पर नहीं, बस स्टॉप पर रुकेगी! बुजुर्ग ने मंद मुस्कान के साथ उत्तर दिया–तो अगले चौक पर रोक देना, वहीं से ठेके का शॉर्टकट पड़ता है! बस रूपी भारत मैं यह सब सुन-देख रहा था। बस महज एक परिवहन का साधन नहीं थी, बल्कि यह भारत का चलता-फिरता प्रतिबिंब थी।

य कॉलेज के छात्र, जो दुनिया बदलने की बातें कर रहे थे, लेकिन खुद असाइनमेंट तक समय पर जमा नहीं कर सकते थे। य आंटियाँ, जो घर चलाने से ज़्यादा चिंता सत्संग में सूचना पहुँचाने की कर रही थीं। य बुजुर्ग, जिनका हर मुद्दा महंगाई और ठेके के बीच झूलता था। तभी बस एक झटके से रुकी। कुछ लोग उतरे, कुछ चढ़े, और यात्रा जारी रही। मैंने सोचा– यही ज़िन्दगी है। हर कोई अपनी यात्रा में व्यस्त है– कोई कॉलेज में खोया है, कोई परिवार में, कोई राजनीति में और कोई ठेके की तलाश में। लेकिन बस चलती जा रही है, और कोई नहीं जानता कि अगला पड़ाव क्या होगा।

स प्रकाश नीरव

कहानी

कैसे लोग

वह फ़िल्में बहुत देखता था. ख़ास कर वो फ़िल्में जिनमें लव स्टोरी होती थी. अपने ज़माने की तो सब ही उसकी देखी हुई थी फिर भी उन्हें बार बार देखता रहता था.नये ज़माने की भी ढूंढ़- ढूंढ़ कर निकालता था.अब वो चाहे अंग्रेज़ी की हों या हिन्दी या किसी ओर भाषा की , डब की हुई . उसे प्रेम कहानियां बहुत पसंद थीं. दर्द भरे गानों का तो वह आशिक़ था. हर वक्त गुनगुनाता रहता था. मैं उसे अक्सर टोकता. अमा... उम्र हो गई है, सत्तर साल के हो रहे हो. अब ये बच्चों वाली फिल्में देखना बंद करो. वह हंस कर जवाब देता. तुम क्या जानो यार कि इश्क़ क्या होता है?

कभी किया होता तो जानते. उसकी मिठास, उसकी तड़प, उसकी खुशी, उसका दर्द , दिलो दिमाग को खुशबू से भर देता है. मिलन की तरह जुदाई में भी एक नशा होता है. जानते हो बिछड़ा हुआ अगर कभी खुवाब में भी दिख जाता? है तो सुबह खूबसूरत हो जाती है. पूरे दिन हल्की हल्की खुमारी रहती है. अच्छा भाई मजनूं... फिर देखते रहो ... कई रोज़ के बाद मेरा उसके घर फिर जाना हुआ. वह मिला मगर हमेशा वाली चहक न थी. कुछ उखड़ा उखड़ा था. न मुझ से ज़्यादा बात की और न ज़्यादा देर मेरे पास बैठा. उठ कर अपने कमरे में चला गया. इतनी देर में भाभी चाय लेकर आ गई. मैंने उनसे पूछा इसे आज क्या हुआ है? आप को नहीं बताया! नहीं... क्या बात है ? हर वक्त इश्क़ की मिठास में डूबे रहने वाले जनाब के दिल में कड़वाहट आ गई है. मैं समझा नहीं! अपनी बिटिया को एक लड़के से प्यार हो गया है और वह उससे शादी करना चाहती है और ये तैयार नहीं हैं...उस पर ख़फ़ा हो रहे हैं.... गुस्सा कर रहे हैं. मुझे अजीब सा लगा. कुछ देर ख़ामोश बैठा रहा और फिर यह सोचता हुआ उठ गया कि फ़िल्मों में ट्रेजेडी सीन देख कर रोने वाला, प्रेम कहानियों का दीवाना, अपनी बेटी के लिए कैसे बदल गया ?

जाफ़र मेहदी जाफ़री
लखनऊ
9889053590

खजराने में 10 किलो भांग जप्त

होली पर अवैध शराब के 114 मामले दर्ज, 10.71 लाख की मदिरा जब्त

इंदौर (मनीष शर्मा)। सोमवार को आबकारी विभाग और पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए खजराना थाना क्षेत्र में 10 किलो अवैध भांग जब्त की, वही होली पर आबकारी विभाग द्वारा कार्यवाही करते हुए जगह-जगह छापामारी की गई इसमें 114 मामले पंजीबद्ध कर लगभग 11 लाख रुपए की अवैध शराब बरामद की।

विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक होली और धुलेंडी के मौके पर(ड्राई डे) अवैध शराब के खिलाफ आबकारी विभाग ने सख्त कार्रवाई करते हुए जिले के विभिन्न क्षेत्रों में ताबड़तोड़ छापेमारी की। कलेक्टर आशीष सिंह के आदेश एवं सहायक आबकारी आयुक्त मनीष खरे के निर्देशन में 14 से 16 मार्च तक चले इस विशेष अभियान में 114 न्यायालयीन प्रकरण दर्ज किए गए और 90 तलाशी अभियान चलाए गए।

अभियान के दौरान मप्र आबकारी अधिनियम की धारा 34(1), 36(ए), 36(बी) के तहत 113 प्रकरण तथा 1 प्रकरण धारा 34(2) के तहत दर्ज करते 213.48 बल्क लीटर देशी शराब, 53.58बीएल विदेशी शराब (स्प्रिट), 87.9 बी एल विदेशी बियर, 2.7 किलोग्राम भांग, 165.5 बी एल हाथ भट्टी मदिरा तथा 965 किलोग्राम महुआ लहान जब्त किया गया। साथ ही एक चार पहिया वाहन भी जप्त किया गया। जब्त सामग्री की कुल कीमत 10,71,055 रुपये आंकी गई है। यह कार्रवाई राहुल गांधी नगर, कैलोद हाला, खजराना, निरंजनपुर, बाणगंगा, गोविंद नगर, नंदबाग, जुना रिसाला, बड़ा गणपति, जम्मू-कश्मीर ढाबा, एसएस पंजाबी ढाबा, जनता गैरेज ढाबा, ट्रांसपोर्ट नगर, मां शारदा ढाबा, बेकयार्ड बाउल रेस्टोरेंट, जामली, आड़ा पहाड़, कोदरिया, गवली पलासिया सहित विभिन्न संवेदनशील स्थानों पर की गई।

सांथ ही 17 मार्च को मकान नं 26, खजराना मेन रोड से आबकारी और पुलिस की संयुक्त कार्यवाही में ओम ज्वेलर्स दुकान से ओमप्रकाश पिता रामलाल सोनी उम 55 वर्ष के कब्जे से 10 किलो भांग जप्त कर आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

सागर यादव को जूनियर रिसर्च फेलोशिप

इन्दौर। शारीरिक शिक्षा की जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ) परीक्षा में युवा खेल प्रशिक्षक और राष्ट्रीय स्तर के कुश्ती खिलाड़ी रहे सागर यादव ने सफलता हासिल की है।

सागर ने अपनी शिक्षा और प्रशिक्षण के दौरान खेल विज्ञान और कोचिंग के विभिन्न पहलुओं का गहन अध्यन किया और अपनी प्रतिभा और मेहनत से उन्होंने इस मुकाम को हासिल किया है। ग्रीको-रोमन शैली की अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं में भाग ले चुके सागर यादव इसके पूर्व वर्ष 2023 में एनआईओएस पटियाला से खेल कोचिंग में डिप्लोमा भी कर चुके हैं।

यज्ञ करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है

इंदौर। साउथ तुकोगंज स्थित श्रीनाथ मन्दिर में आयोजित 89वे योगाभ्यानंद माधवनाथ महाराज पुण्यतिथि महोत्सव में रोजाना सुबह से लेकर रात्रि10 बजे तक भजन, कीर्तन से लेकर, अभिषेक, शांति पाठ, ग्रंथ पारायण, उपासना, आरती आदि के कार्यक्रम लगातार हो रहे है।

यह जानकारी देते हुए श्रीनाथ मन्दिर संस्थान के सचिव संजय गो. नामजोशी ने बताया कि मंगलवार से महामृत्युंजय यज्ञ की शुरुआत हो गई हैं, जो तीन दिनों तक चलेगा। पूर्व लोकसभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन की विशेष उपस्थिति में वैदिक विद्वान श्री अनंत शास्त्री लावर के आचार्यत्व में आज सुबह मंत्रोंचार के साथ यज्ञवेदी का पूजन कर यज्ञ का संकल्प लिया गया। पुण्याह वाचन, मात्रिका पूजन के साथ मांगलिक श्राध किया गया। नवग्रह मंडल, योगिनी मंडल के साथ रुद्र कलश की स्थापना भी की गई। सभी देवी - देवताओ का आह्वान कर स्थापित देवताओं का पूजन किया गया। घर्षण से अग्नि को प्रजवलित कर वैदिक मंत्रोचार के साथ यज्ञवेदी में आहुति दी गई।

इस अवसर पर अनंत शास्त्री लावर ने कहा कि यज्ञ करने से सिर्फ वातावरण की ही शुद्धि नहीं होती, वरनं हमारे चित की भी शुद्धि होती है। यज्ञ में इतनी क्षमता है कि वह मरुभूमि में भी वर्षा करा देती है। मोक्ष की प्राप्ति होती है।

मीडिया प्रभारी प्रवीण जोशी ने बताया कि दोपहर के सत्र में स्वराली स्वर समूह राजेंद्रनगर की बहनो ने दर्शना चिकोड़ी कर और प्राची दिघे के साथ भजन ओंकाराचा छंद माला लागच्या होरी कनक में खेलत सिया रघुवीर आदि भजन सुनाएँ।

पुणे से पधारे राष्ट्रीय कीर्तनकार मोरेश्वर बुवा जोशी ने लोकमाता देवी अहिल्या के पुण्यकार्यो को कीर्तन के माध्यम से बताया।

मनीष ओक ने बताया कि उत्सव में नागपुर सहित पुणे, भुसावल, अकोला, मुंबई, औरंगाबाद, दिल्ली, रायपुर, अमरावती, सोलापुर आदि स्थानों से बड़ी संख्या में नाथ महाराज के भक्त आये है।

रिंग रोड सोशल के 4 साल पूरे होने के जश्न में मिलेगा 50% ऑफ और बॉलीवुड तड़का नाइट का धमाल!

इंदौर, रिंग रोड सोशल अपने चार शानदार साल पूरे होने का जश्न एक धमाकेदार एनिवर्सरी बैश के साथ मना रहा है! इस खास मौके को यादगार बनाने के लिए 21 मार्च को पूरे दिन फूड और ड्रिंक्स पर सीधे 50त्र की छूट दी जा रही है।

यह एक बेहतरीन मौका है सोशल के मशहूर फ्लेवर्स, हैंडक्राफ्टेड कॉकटेल्स और एनर्जी से भरपूर माहौल का आधे दाम में आनंद लेने का। यह खास ऑफर उन लोगों को समर्पित है, जिन्होंने बीते सालों में सोशल को यादगार पलों का पसंदीदा ठिकाना बनाया है। लेकिन सोशल की एनिवर्सरी बिना एक ग्रैंड पार्टी के पूरी कैसे हो सकती है? जैसे ही सूरज ढलेगा, जश्न में और भी तड़का लग जाएगा 'सोशल तड़का' के साथ ङ्क इंदौर के सबसे बड़े बॉलीवुड बैश में! जहां देसी स्वैग, हाई-वोल्टेज बीट्स और सोशल के खास ट्विस्ट के साथ रात और भी रंगीन होगी। तैयार हो जाइए रेड कार्पेट पर कदम रखने के लिए! एक जबरदस्त बॉलीवुड-थीम पार्टी, जहां ढोल की थाप, धमाकेदार म्यूजिक और रेट्रो-मॉडर्न फ्यूजन वाइब्स मिलकर बनाएंगे एक अनुभव, जिसे आप कभी नहीं भूलेंगे। चाहे आपको मोगैंबो जैसी एंट्री चाहिये या आप अपने भीतर की सिमरन को खोज रहे हों, सोशल तड़का आपको आपके पसंदीदा बॉलीवुड आइकॉन की तरह बना देगा।

19 मार्च को इंदौर में रंगपंचमी हास्य कवि सम्मेलन

इंदौर। रंगपंचमी के अवसर पर शाम साढ़े सात बजे से भारत विकास परिषद अहिल्या शाखा द्वारा रंगपंचमी हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है जिसके सूत्रधार अंतरराष्टीय कवि प्रोफेसर राजीव शर्मा इंदौर होंगे। आमंत्रित कवियों में मंदसौर से दिव्यांश जैन दिव्य, ठाकुर रंगीला कुलदीप देवास सहित अन्य कविगण अपनी हास्य कविताओं से श्रोताओं को गुदगुदाएँगे। आयोजक संस्था के अध्यक्ष संजय सूर्यवंशी, सचिव भरत नागर, प्रभारी तेजकुमार दीपाली पाटोदी, किरण ज्योति जैन एवं वरिष्ठ मार्गदर्शक सुदर्शन जटाले ने बताया कि हास्य कवि सम्मेलन माला गार्डन नेमी नगर में होगा जहाँ श्रोताओं के बैठने की उत्तम व्यवस्था की गई है।

समृद्ध भारतीय ज्ञान के परिप्रेक्ष्य में भावनाओं का प्रबंधन

इंदौर। श्री वैष्णव इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंस के आईक्यूएसी विभाग (आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ) द्वारा समृद्ध प्राचीन भारतीय ज्ञान के परिप्रेक्ष्य में भावनाओं के प्रबंधन का एक दर्शन विषय पर एक दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय ज्ञान परंपरा के आलोक में भावनाओं के प्रबंधन को समझना और आधुनिक जीवन में इसकी प्रासंगिकता को रेखांकित करना था।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रो. प्रभु नारायण मिश्रा, पूर्व निदेशक एवं प्रोफेसर, इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट स्टडीज, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर ने भारतीय दार्शनिक ग्रंथों और आध्यात्मिक दृष्टिकोण के माध्यम से बताया कि कैसे भावनाओं का सही प्रबंधन व्यक्ति को मानसिक संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। संस्थान के निदेशक एवं आईक्यूएसी चेयरमैन डॉ. जॉर्ज थॉमस ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए इस विषय की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला।

इस कार्यक्रम में श्री वैष्णव ट्रस्ट समूह के समस्त शिक्षण संस्थानों के 250 से अधिक शिक्षकों ने भाग लिया। मंच का संचालन सुश्री श्रुति पुस्तके ने किया। कार्यशाला का आभार आईक्यूएसी मेंबर डॉ. जगदीश शर्मा ने माना।

इस अवसर पर आईक्यूएसी कोऑर्डिनेटर डॉ. क्षमा पैठणकर, मेंनेजमेंट विभागाध्यक्ष (यूजी/पीजी) डॉ.दीपा कटियाल, डॉ. मंदीप गिल, विभिन्न शिक्षण संस्थानों से पधारे प्रिंसिपल, प्राध्यापक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

फागुन आयो रे कार्यक्रम का आयोजन

इंदौर। नंदिनी कायस्थ महिला क्लब ने मार्च माह में फागुन आयो रे कार्यक्रम का आयोजन किया क्लब की अध्यक्ष श्रीमती दीपा श्रीवास्तव ने अध्यक्षता की पश्चात क्लब की श्रीमती महिमा श्रीवास्तव जी एवं उनकी बेटी द्वारा मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया गया।

मंडली द्वारा फाग उत्सव खूब धूमधाम के साथ सभी सखियों ने फूलों की होली खेलकर हर्ष उल्लास के साथ मनाया क्लब के सभी सखियों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली और रंग पंचमी की शुभकामनाएं दी। सभी सखियां सज धज के गोपियों बन कर आई संयोजिका श्रीमती उषा श्रीवास्तव एवं ज्योति श्रीवास्तव थीं जिन्होंने सभी सखियों के लिए बहुत ही सुंदर टाइटल बनाए। श्रीमती वीना श्रीवास्तव जी, श्रीमतीमधु अष्ठाना जी, श्रीमतीअनिता श्रीवास्तव जी, श्रीमतीडॉ सुनिता श्रीवास्तव जी एवं श्रीमतीतृप्ति सक्सेना जी कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित रहीं। कोषाध्यक्ष श्रीमती मीनाली श्रीवास्तव ने अपना कार्यभार बहुत ही अच्छे ढंग से संभाला भजन मंडली ने ऐसा समा बंधा कि कोई भी सखी नृत्य के बिना रह न पाई, सभी ने खूब उत्साह के साथ फाग उत्सव मनाया। क्लब की और से भजन मंडली को पुरुस्कार देकर सम्मानित किया गया। क्लब की सचिव श्रीमती इन्दु श्रीवास्तव जी ने सभी का आभार माना।

दिल्ली में 21 मार्च को लोकतंत्र विजय दिवस पर जंतर-मंतर में इंदौर के लोकतंत्र सैनानी भी जाएंगे

इंदौर। आपातकाल के पश्चात 21 मार्च 1977 को केंद्र में जनता पार्टी की सरकार की स्थापना के उपलक्ष्य में राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर इस वर्ष भी 21 मार्च को लोकतंत्र विजय दिवस का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें इंदौर सहित देशभर के लोकतंत्र सैनानी शामिल होंगे। इंदौर जिला लोकतंत्र सैनानी संघ के अध्यक्ष गिरीश शर्मा आदित्य ने बताया कि आपातकाल के दौरान क्रूर तानाशाही का अंत हुआ और देश ने एक बार फिर इस दिन आजादी की सांस ली। आपातकाल के खिलाफ महासंग्राम में देश के अनेक युवाओं ने निर्दोष होते हुए भी जेल की यातनाओं सहित अनेक जुल्म एवं प्रताड़नाओं का सामना किया और 21 मार्च 1977 को तानाशाही के अंत के बाद सरकार ने इस संघर्ष में शामिल युवाओं को लोकतंत्र सैनानी का दर्जा देकर सम्मानित किया। हैं। इनमें संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष गणेश अग्रवाल, जिला उपाध्यक्ष गोपालदास अग्रवाल, रमेश मंदवानी, बद्रीलाल ठेकेदार, गंगाराम चौधरी, रामचंद्र खाती, बाबूलाल शर्मा, दीपक गौड़, प्रेम शर्मा, दयाराम वर्मा जैसे नाम प्रमुख हैं।

सर्वधर्म रोजा इफ्तार आयोजन 23 मार्च को इंदौर में

इंदौर। अखिल भारतीय कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव और पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल एवं उनके बड़े भाई राधेश्याम पटेल द्वारा सर्वधर्म रोजा इफ्तार का आयोजन 23 मार्च को इंदौर में किया जा रहा है। यह आयोजन राज महल गार्डन, महक वाटिका के सामने, रोबोर्ट चौराहा, इंदौर पर संपन्न होगा।इस कार्यक्रम में विभिन्न धर्मों के लोग एक साथ मिलकर रोजा इफ्तार करेंगे, जो कि भाईचारे और एकता का प्रतीक है। आयोजन का उद्देश्य देश प्रेम और धार्मिक सौहार्द को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के संदेश को भी आगे बढ़ाया जाएगा, जो हमेशा भाईचारे और मोहब्बत की बात करते हैं।

यह आयोजन समाज में धार्मिक समरसता और प्रेम को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। उक्त जानकारी समाजसेवी मदन परमालिया ने दी।

होली के गीतों से मना

रंगारंग मिलन समारोह

इंदौर; स्वरांगिनी कराओके क्लब द्वारा होली मिलन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया जहां डाक्टर, प्रोफेसर और अन्य साथियों ने होली के गीतों से समा बांधा।कार्यक्रम की शुरुआत संस्थापक अध्यक्ष जनार्दन शर्मा की मधुर गणेश वंदना से हुई तत्पश्चात सीमा जोशी ने स्वरसती वंदना से मां शारदे का आव्हान किया। सुषमा शुक्ला, भारती दुबे ने सबका गुलाल लगाकर स्वागत किया और फिर निलेश पाटील ने ने जैसे रंग बरसे गाया सभी पैर थिरकने लगे , डॉ ज्योति डॉ मनीष ने जोगी जी धीरे धीरे का गीत से होली का माहौल बनाया।डॉ अनिल राठौड़ ने आज रपट जाय पर गाने के साथ डांस करके खूब तालियां बजवाई। डॉ अनूप दुबे ने माहौल बदलते हुए वो देखो मुझसे रुठकर मेरी जान वाला गीत सुनाया राजेश पुरोहित, जसमीत जी की जोड़ी ने युगल गीत की प्रस्तुति दी। नरेश गोयल के खइ के पान बनारस वाला पर सबने बहुत मस्ती का माहौल बनाया, सतीश जोशी, डाली पाठक, रीना पाटिल, ने भी होलीया में उड़े रे गुलाल गीत गाए। उषा मंडलोई ने होली आई रे कन्हाई से खूब गुलाल उड़ाया तो देवास से विशेष रूप से आये कलाकार विजय बहादुर जी ने होली गीत से गुलाल की होली करवाकर कार्यक्रम का रंगारंग समापन किया। इस कार्यक्रम का जोश भरा संचालन जनार्दन शर्मा ने किया और मनीष दवे ने आभार व्यक्त किया।

मध्यप्रदेश जायसवाल सर्ववर्गीय महासभा का फाग महोत्सव

इन्दौर । मध्यप्रदेश जायसवाल सर्ववर्गीय महासभा का फाग महोत्सव गुमाश्ता नगर स्थित परस्पर गार्डन पर आयोजित किया गया। महोत्सव के दौरान महासभा के पदाधिकारियों के साथ ही महिला महासभा एवं युवा महासभा के पदाधिकारी भी शामिल हुए। प्रदेश महासचिव इंजीनियर सूरज कुमार जायसवाल ने बताया कि फाग महोत्सव महासभा अध्यक्ष सुभाष जायसवाल की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। जिसमें मातृक्तियों ने राधा-कृष्ण संग होली खेली एवं एक-दुसरे को रंग गुलाल लगाकर रंगों के पर्व की बधाई दी। इस दौरान भजन गायकों ने भी अपने भजनों से समा बांधा। मध्यरात्रि तक मातृशक्तियां, युवा व महासभा के पदाधिकारी भजनों पर झूमे। राधा-कृष्ण के नृत्य ने सभी समाज बंधुओं का मन मोह लिया। महोत्सव के दौरान जिला अध्यक्ष श्रवणसिंह चावड़ा, राष्ट्रीय संरक्षक अशोक जायसवाल, राहुल जायसवाल (पार्षद), संध्या राधाकृष्ण जायसवाल (पार्षद), क्षमा जायसवाल (पूर्व पार्षद), पिंटू जायसवाल, गौरव जायसवाल, भारतलाल जायसवाल, मनोज जायसवाल, प्रभुचरण जायसवाल, डीपी राय, सचिन चौकसे, दिलीप जायसवाल (पानीगांव), हुकूमचंद जायसवाल, सुनीता जायसवाल, वीणा जायसवाल, उमा जायसवाल, ज्योति जायसवाल, इंदिरा राय, रीना चौकसे सहित कलचुरी समाज के वरिष्ठजन मौजूद थे।

योगेश मेहता, सेन्ट्रल कार्यकारिणी में सदस्य मनोनीत

इन्दौर एसोसिएशन ऑफ इंडस्ट्रीज मध्यप्रदेश के अध्यक्ष श्री योगेश मेहता को फेडरेशन ऑफ इंडियन माईक्रो, स्मॉल एंड मिडियम इंटरप्राइजेस, नई दिल्ली की सेन्ट्रल कार्यकारिणी में वर्ष 2025-26 के लिए एसोसिएशन श्रेणी÷ के अंतर्गत सदस्य मनोनीत किया गया है। फेडरेशन की इस सीईसी कमेटी में मध्यप्रदेश राज्य से श्री योगेश मेहता एकमात्र सदस्य मनोनीत हुए है।FISME एमएसएमई अधिनियम 2006 के तहत गठित राष्ट्रीय एमएसएमई बोर्ड का सदस्य है। देश के एसएमई नीति निर्माण तंत्र में स्नढ्ढस्ल्ढ्ढ का विशेष प्रतिनिधित्व है और इससे परामर्श भी लिया जाता है। यह भारत में प्रमुख बहुपक्षीय और द्विपक्षीय निकायों जैसे कि ह्वढ्ढष्ठह्र, ढ्ढस्ह्र, ह्रष्टस्नष्ठ, ष्ठस्नढ्ढष्ठ, त्रड्ढं आदि के साथ घनिष्ठ सहयोग में भी काम करने वाला राष्ट्रीय संगठन है।

कार्टून कोना

प्रियल ने पिता के सपनों को किया साकार

इंदौर रतलाम, अक्सर सपनों को साकार करने में कई पीढ़ियां लग जाती हैं, लेकिन सनस्टोन द्वारा पॉवर्ड सेज इंदौर में फाइनल ईयर बीसीए की छात्रा, 21 वर्षीय प्रियल पोरवाल ने मिनटों में अपने परिवार का भाग्य बदल दिया। प्रियल ने कौन बनेगा करोड़पति के मंच पर पहुंचकर अपने पिता के सपने को साकार किया है।प्रियल लम्बे समय से केबीसी में आने की कोशिश कर रही हैं, कई बार कोशिश करने के बाद आखिरकार वे इस प्रतिष्ठित मंच तक पहुंच गईं। वह फास्टेस्ट फिंगर फर्स्ट राउंड में आने वाली सबसे कम उम्र की प्रतिस्पर्धी हैं, साथ ही उन्होंने अपने पिता के 25 साल पुराने सपने को भी साकार किया है।

इस यात्रा के दौरान सनस्टोन सेज इंदौर में हैड ऑफ डिपार्टमेन्ट-टेक्नोलॉजी, अर्पिता तिवारी, प्रियल की एक मेंटर रहीं। प्रियल मृदुभाषी और संकोची स्वभाव की हैं। शुरूआत में वे इस तरह के बड़े प्लेटफॉर्म्स पर आने से हिचकिचाती थीं। हालांकि, अर्पिता ने उन्हें विभिन्न क्लब एक्टिविटीज़ में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया, उनकी मदद से धीरे-धीरे काजल का आत्मविश्वास बढ़ने लगा। इस अनुभव ने उन्हें केबीसी जैसे विशाल एवं भव्य मंच के लिए तैयार किया।

संयोग से उनका एपिसोड 4 मार्च को शूट किया गया, जब उनके पिता का जन्मदिन होता है। ऐसे में इस भावनात्मक स्पर्श ने इस अनुभव को और भी यादगार बना दिया। हालांकि वे बड़ी राशि नहीं जीत पाई, लेकिन उनके पिता की आंखों में दिख रही खुशी और गौरव की भावना अपने आप में अमूल्य है।

प्रियल पोरवाल ने बताया, केबीसी के मंच तक पहुंचना अपने आप में अद्भुत अनुभव था। मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि मैं अपने पिता के सपने को साकार कर सकूंगी। मेरी शैक्षणिक यात्रा के दौरान सनस्टोन से मिले सहयोग ने मुझे इस मुकाम तक पहुंचने में मदद की है।इस अवसर पर खुशी जाहिर करते हुए अर्पिता तिवारी ने कहा, ÷अपनी हिचकिचाहट से बाहर निकल कर जिस तरह से प्रियल आत्मविश्वास के साथ केबीसी के मंच तक पहुंची, यह देखकर बहुत अच्छा लगता है। बीते समय में वे न सिर्फ एकेडमिक रूप से विकसित हुई हैं, बल्कि उन्होंने पढ़ाई संबंधी गतिविधियों में भी शानदार परफॉर्मेंस दिया है। मुझे उनकी यात्रा पर गर्व है।

सनस्टोन के सह-संस्थापक एवं सीईओ आशीष मुंजाल ने गर्व के साथ कहा, ÷हमें प्रियल पर गर्व है। उनकी कहानी सपनों और मजबूत इरादे की क्षमता को दर्शाती है। सनस्टोन में हम हमेशा से अपने छात्रों को बड़े सपने देखने और बाधाओं को पार करने के लिए प्रेरित करते हैं। प्रियल की यात्रा छोटे नगरों के बहुत-से छात्रों के लिए उम्मीद की किरण है, जिन्होंने साबित कर दिया है कि यदि आप जुनून के साथ कड़ी मेहनत करते हैं, तो आपके सपनों को साकार होने से कोई नहीं रोक सकता।

मराठी नाट्य मंचन में मर्मस्पर्शी संवाद से दर्शक हुए भाव विभोर

इंदौर महाराष्ट्र साहित्य सभा,इंदौर के 63वे शारदोत्सव के तहत् ज्येष्ठ रंगकर्मी अच्युत पोतदार के सहयोग से दो दिवसीय नाट्य अभिवाचन महोत्सव के अंतिम दिवस मुख्य अतिथि संजय तरानेकर ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।प्रथम नाट्य अभिवाचन प्रस्तुति के रूप में संस्था अहिल्या नाट्य मंडल द्वारा,कैकेयी (दिग्दर्शन चिन्मय मतकर) की प्रस्तुति दी गई ।इसमें रामायण के श्रीराम राज्याभिषेक के पूर्व राजा दशरथ,रानी कैकयी एवं मंथरा पर आधारित मर्मस्पर्शी संवादों को भावपूर्ण दर्शाया गया।कलाकार पायल पंडित शर्मा,गजानन खोड़े,रूपाली रुद्र दुबे,ऋत्विक पुरकर थे। पश्चात नाट्य भारती संस्था द्वारा चुकामूक प्रस्तुत किया (दिग्दर्शन श्रीराम जोग) जिसमें नवयुवक एवं महिला मित्र एक दूसरे को पसंद करते है, विवाह भी करना चाहते हैं, किंतु नवयुवक खूब करियर ओरिएंटेड होकर नौकरी में व्यस्त होकर अपने जीवन का खूब समय दे देता हैं एवं जब विवाह करने का सोचता है तब तक खूब देर हो चुकी होती हैं। महिला मित्र को विरक्ति आ जाती है तब वह सोचता है कि मैने जीवन के अनमोल क्षणों को खो दिया है। इस दुखांतिका को अभिवाचन के माध्यम से दर्शाया गया।कलाकार लोकेश निमगांवकर, श्रुतिका जोग कलमकर,सौजन्य लघाटे ,शशिकांत किरकिरे थे।तत्पश्चात संवाद मंडली द्वारा,आपन असावे निवांत (दिग्दर्शन पांडुरंग कुलकर्णी) मे जिंदगी के कई प्रसंगों का उल्लेख बखूबी कर निवंतता को दर्शाया गया है।कलाकार संजीव दिघे,स्मिता सराफ, शशिधर पेंडसे, विवेक भावसार थे। संस्थाअष्टरंग द्वारा प्रोजेक्ट निर्मिती (दिग्दर्शन अनिल चापेकर)में एक इंजीनियर को स्वयं के द्वारा बनाया गया रोबोट एवं उससे ही संवाद करके उसे प्रेम हो जाता है एवं उसे ज्ञात हैं कि ये प्रेम अपनी कल्पना मात्र हे किंतु उसे अत्यंत दुःख होता हैं। ऐसा संवेदनशील प्रयोग प्रस्तुत किया गया।कलाकार मानसी तरानेकर,शांतनु ग्वालेरकर,अमित कसगिकर,मिलिंद देशपांडे , सायली देव थे।नटरंग उत्सव संस्था द्वारा नटसम्राट (दिग्दर्शक पंकज वागले) में महान कलाकार नट सम्राट के उपाधि से अलंकृत परंतु अपने सगे संबंधियों द्वारा ही उसके जीवन में लगाए आरोप प्रत्यारोप से दुखी ऐसे प्रसंगों को मार्मिकता से दर्शाया गया।कलाकार पंकज वागले,निवेदिता वागले, सा गोडबोले,सौरभ पाठक,अमोल श्रीखंडे,सीमा गरगे,पीयूष केन्दूरकर थे।अंतिम प्रस्तुति के रूप में ,बंडू ऊंदीर मारतो संस्था अविरत द्वारा सादर की गई। इस रोचक प्रस्तुति में मुख्य पात्र द्वारा किसी से कभी नहीं घबराना, परन्तु घर में घुसे हुए चूहे को पकड़ने से घबराना एवं उसे पकड़ने हेतु मित्र की सहायता लेना ऐसे विनोदी प्रसंग को तन्मयता से प्रस्तुत किया गया।कलाकार थे अभिनय देशमुख,किरण आचार्य,योजना दिघे,हार्दिक गौड़।इस प्रस्तुति से नाट्य अभिवाचन महोत्सव का समापन हुआ।संचालन मिलिंद देशपांडे एवं आभार सुनील मतकर ने माना।

सर्व ब्राह्मण युवा संगठन पूर्वी क्षेत्र का फाग उत्सव सम्पन्न

इंदौर सर्व ब्राह्मण युवा संगठन पूर्वी क्षेत्र के द्वारा फाग उत्सव शपथ विधि समारोह एवं श्री परशुराम महादेव मंदिर में प्रमुख आर्थिक सहयोगियों के सम्मान समारोह का आयोजन बरसाना गार्डन में मुख्य अतिथि श्री 1008 रामगोपाल दास महाराज, शंकर लालवानी, पुष्यमित्र भार्गव, सुमित मिश्रा,श्री महेंद्र हार्डिया, श्रवण सिंह चावड़ा,संजय शुक्ला, दिलीप शर्मा , संदीप जोशी,श्री प्रणव जी मंडल,श्री मनोज जी मिश्रा,जूही पुष्यमित्र भार्गव ,संपदा मनोज मिश्रा,करणीड्डसेना प्रदेश अध्यक्ष ठाकुरड्डअनुरागड्डप्रतापसिंह राघव,राहुल सिंह ठाकुर,श्री आकाश खींची, ठाकुर प्रेम सिंह राठौड़ मुख्य रूप से कार्यक्रम में उपस्थित हुए। अध्यक्ष राकेश जोशी,महिला मंडल अध्यक्ष सूश्री नेहा शर्मा,चंदन दवे,राजेश तिवारी, संदीप व्यास, अंकित बाजपेई,अमरीश पाराशर, मुकेश द्विवेदी,रोहित शर्मा, श्री कमल पंडित,श्री राकेश जोशी,सुनील दुबे,राजेश मिश्रा,हेमेंद्र पाठक,श्री संजय शर्मा, प्रवीण जोशी, अंकित दुबे,गौरव ठाकुर, रमाशंकर पाठक, रितेश वैष्णव, विनोद व्यास,राकेश दुबे, कपिल पालीवाल, हेमंत जोशी,शुभम शर्मा,शिव पाराशर,मनीष शर्मा ,राजेश दुबे, चंकी पांडे जी, संजय शर्मा,नेहा जोशी,मंजू पाराशर,किरण शर्मा,स्वाति दुबे,चेतना वाजपेई,संगीता पंडित हर्षिता जोशी,सारिका पराशर,रचना शर्मा,कविता मिश्रा,श्रद्धा पराशर मुख्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

राम कथा की पवित्रता पर उठे सवाल, राजनीतिक रंगत से भक्त आहत

इंदौर राम कथा, जो सदियों से श्रद्धा और भक्ति का प्रतीक रही है, आजकल राजनीतिक मंच का रूप लेती जा रही है। हाल ही में हुए एक आयोजन में, जब राम कथा के दौरान एक मंत्री जी और उनके परिवार की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई, तो इस पर कई श्रद्धालुओं ने नाराजगी व्यक्त की।राम कथा सदैव मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्शों और उनके जीवन से प्रेरणा लेने का माध्यम रही है। भक्तों का कहना है कि राम कथा के मंच से राजनीतिक महिमामंडन और व्यक्तिगत स्वार्थ की बातें करना, इसकी पवित्रता को ठेस पहुंचाने जैसा है।राम कथा में उपस्थित एक श्रद्धालु ने कहा, ÷राम कथा केवल धर्म और भक्ति की बात करने के लिए है, न कि राजनीतिक चर्चाओं के लिए। यह मंच श्रीराम के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम है, न कि किसी की व्यक्तिगत उपलब्धियों को गिनाने का।÷आयोजन में प्रसिद्ध कवि कुमार विश्वास की उपस्थिति ने इस चर्चा को और बल दिया। उनकी कविताओं ने हिंदी साहित्य को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, लेकिन राम कथा में राजनीति के प्रवेश से कई लोगों ने असहमति जताई।श्रद्धालुओं ने अपील की है कि राम कथा को राजनीति से दूर रखा जाए, ताकि इसकी पवित्रता बनी रहे और भक्त बिना किसी भटकाव के श्रीराम के आदर्शों से प्रेरणा ले सकें।

राग रंग उत्सव 2025 में कला संवाद

इंदौर ,कबीर जन विकास समूह के तत्वाधान में जीवन शाला विसर्जन आश्रम में आयोजित राग रंग उत्सव में प्रेम ,एकता,समता ,बंधुता और गरिमा के संदेश को विविध कलाकारों ने अपनी कला के माध्यम से प्रस्तुत किये।इस अवसर पर डॉ सुरेश पटेल ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा हमारे देश की संस्कृति बहुरंगी एवं विविधता से भरी हुई है।कलाएं इस विविधता में रंग भरकर उसे सुंदर बनाती है।इस अवसर पर पद्मश्री भेरूसिंह चौहान ने म्हारे सद्गुरु ने रंग बरसायो रे फागण आयो रे ... ,पद्मश्री कालूराम बामनिया ने होली खेले कोई संत मतवाला.... ,कबीर गायक लाखन मंडलोई,विक्रम बोरदिया ने रामरस प्याला है भरपूर .... बंजारन सिस्टर्स की गौरी ने प्रेम से भरा चौमासा जेठ मास गर्मी को महीनों प्रेम प्यास लग जाये.... ! ,प्रीति सिंगार ने मेरा साहब है रंगरेज चुनरिया म्हारी रंग डारी..... एवं करुणा पांचाल ने श्रोताओं को प्रेम और विविधता के रंग से सरा बोर कर दिया। प्राची ने कथक नृत्य की भाव भंगिमाओं से नटखट मुरली वाले के साथ प्रेम की पींगे भरी ... वहीं नृत्य निदेशक आर्यन सोलंकी ने कबीर जन विकास समूह के नृत्य समूह की बाल नृत्यांगनाओं सिमरन,कुमकुम,तमन्ना,खुशी,वर्षा एवं दीक्षा ने सामूहिक नृत्य प्रस्तुत कर अकेली होती दुनिया को सामूहिकता का संदेश दिया। नन्ही बालिका ओजस्वी ने ए मेरे मन कर ले ऐसे करम ......बहुत मार्मिकता से प्रस्तुत किया।कार्यक्रम का खास आकर्षण था लक्ष्मी वास्त्री के निर्देशन में सभी श्रोताओ के साथ कबीर के पद पद्मश्री प्रह्लाद सिंह टीपाण्या के स्वर में सदा रामरस बीनी चादर झींनी रंग झीनी हो....पर नृत्य योग जिसमें सभी श्रोता निर्मल मन से नाच उठे। इस अवसर पर राष्ट्रीय कवि पंकज दीक्षित ने अपनी कविताओं से वासंती वयार का अहसास कराया छोटे लाल भारती ने व्यंग्य रचना जो रंगी मिजाज के थे वे बेरंग होगये.... !प्रस्तुत की ।इस अवसर पर समाजसेवी,राजेन्द्र गोयल,के आर ओसवाल,शिवनारायण चौधरी कबीर गायक , समन्वय गुप्ता , अर्पण जैन,मुकेश तिवारी,समाज सेवी राम गोपाल सिंह तोमर,सुभाष चौबे ,राधा किशन चौरसिया, मुकेश करोले ,मुक्ता ,गीता एवं बड़ी संख्या में जनसंगठन,नाट्यकर्मी,गायक ,पत्रकार जनसमूह उपस्थित थे।कार्यक्रम का संचालन पूजा कुशवाहा एवं छोटेलाल भारती ने किया ,मंच व्यवस्था विनोद जाटव एवं बृजेश ने संभाली।स्वागत एवं आभार डॉ चारु शीला मौर्य ने किया।

अभ्यास मंडल के बैनर तले आर्थिक विशेषज्ञों का बजट पर परिसंवाद...

इन्दौर (नवीन मौर्य) बजट प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से आम व्यक्ति की जिंदगी में गहरा प्रभाव डालता है। जिसकी जानकारी आम व्यक्ति के लिए आवश्यक होती है। परंतु बजट की क्लिष्टता,आर्थिक प्रावधान,वाणिज्यिक भाषा आदी आम व्यक्ति की समझ से परे होते हैं। उसी तारतम्य में अभ्यास मंडल ने प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी जाल सभगृह बोर्ड रूम में बजट पर चर्चा का आयोजन किया। मध्यप्रदेश विधानसभा में मार्च 2025 को बजट पेश होने के बाद राज्य की आर्थिक नीतियों पर चर्चा के साथ बजट की सरल शब्दों में व्याख्या और उस का जनता की जिंदगी में प्रभाव पर आयोजित इस परिसंवाद में वक्ताओं ने किसानों, युवाओं और महिलाओं के कल्याण के लिए बजट में किए गए प्रावधानों पर विशेष चर्चा हुई। इसके अलावा, अधोसंरचना विकास, औद्योगिक निवेश और शिक्षा के क्षेत्र में प्रस्तावित योजनाओं एवं मेट्रो रीजन के बजट पर भी विचार-विमर्श किया मुख्य वक्ताओं में अर्थशास्त्री डॉ. जयंतीलाल भंडारी ने अपने उध्बोधन में कहा वर्तमान बजट का 15 प्रतिशत बजट इंदौर के लिए प्रस्तावित है जो अपने आप मे बहुत बड़ी बात है पूरे प्रदेश का 26 प्रतिशत टैक्स इंदौर से शासन को मिलता है यह उम्मीदों का शहर है वहीं डॉ. गौतम कोठारी कहा हमारा प्रदेश कृषि प्रधान है यहां 40 प्रतिशत जीडीपी कृषि से जबकी उद्योगों का योगदान 19 प्रतिशत है इंदौर मेट्रोपोलीयन ऑथोरटी के लिए अच्छा बजट प्रस्तावित है। जिससे इंदौर की जीडीपी तीन गुना से अधीक बढ़ने की उम्मीद है। सी ए राजेंद्र गोयल ने कहा केंद्र सरकार राजस्व के मामले में ताकतवर है जबकि राजनैतिक विषय राज्यों के पास है। वर्तमान में प्रदेश का चार लाख इकीस हजार करोड़ का बजट है जबकि उतना ही कर्ज सरकार पर है। इंदौर का बजट विभिन्न क्षेत्र से चर्चा कर बनाना चाहिए सरकार ने जो बजट दिया उसे अच्छा मानना ठीक नहीं है, जगदीश वर्मा ने कहा आज के समय मे त्वरित एवं नियोजित आर्थिक निर्णय की जरूरत है आज नवाचार के लिए बजट में अधीक प्रावधान होने चाहिए परिसंवाद में प्रश्नोत्तर के माध्यम से भी श्रोताओं ने अपनी जिज्ञासा शान्त की कार्यक्रम का संचालन वैशाली खरे ने किया आभार डॉ. माला सिंह ठाकुर ने माना वक्ताओं का सम्मान रामेश्वर गुप्ता, अशोक कोठारी ने किया कार्यक्रम में श्यामसुंदर यादव,अजीत सिंह नारंग , प्रो कुम्भज, अनिल भोजे ,राजकुमार काला, स्वप्निल व्यास, मुरली खंडेलवाल , ग्रीष्मा त्रिवेदी उपस्थिति रहे।

साईं बाबा की पालकी यात्रा रामबाग में निकाली गई

इंदौर।केंद्रीय साईं सेवा समिति के तत्वावधान मे साईं बाबा की विशाल पालकी यात्रा रामबाग में निकाली गई। जानकारी देते हुए आयोजक गौरव व्यास, आशीष जैन, विशाल जायसवाल ने बताया कि नारायण बाग चौराहा से सुबह साढ़े पांच बजे यात्रा शुरू हुई जो रामबाग के विभिन्न मार्गो गलियों से होते हुए रामबाग चौराहे पर समाप्त हुई। इस अवसर पर भजन संध्या भी आयोजित की गई।जगह जगह पालकी यात्रा में शामिल साईं भक्तों का स्वागत किया गया। साईं बाबा की जगह जगह आरती की गई। लगभग पांच सौ साईं भक्त पालकी यात्रा में उपस्थित थे।

स्वर लहरी मॉर्निंग वॉकर क्लब द्वारा होली मिलन और संगीत कार्यक्रम का आयोजन

इंदौर। । स्वर लहरी मॉर्निंग वॉकर क्लब द्वारा रविवार सुबह 56 दुकान पर होली मिलन और संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्वर लहरी क्लब के हीरालाल मोदी (हीरु भैय्या)ने बताया कि 2004 से स्थापित मॉर्निंग वॉकर क्लब के सदस्य 56 दुकान पर हर महीने में एक बार संगीत की प्रस्तुतियां देते हैं। सदस्यों ने सदाबहार पुराने फिल्मी गीत गाए।इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित मध्य प्रदेश की पहली महिला सैक्सोफोन प्लेयर मनीषा यादव ने सैक्सोफोन पर होली के गीतों की प्रस्तुति दी दर्शकों ने नाच गा कर एंजॉय किया। इसी मौके पर उपस्थित पूजा गर्ग (अपने पैरों से चलने में असमर्थ होने पर) ने बताया कि उन्होंने 4500 किलोमीटर की यात्रा अपनी थ्री व्हीलर गाड़ी पर पूर्ण कर गिनिज बुक मैं अपना नाम दर्ज कराया क्लब के संरक्षक सूरजमलजी, हरीश अग्रवाल,आनंद मणि पांडे, जितेंद्र सिंह ठाकुर, दिनेश जैन डॉ. यशवंत गोयल, सुनील अग्रवाल ने रंग गुलाल लगाकर होली की एक दूसरे को शुभकामनाएं दीं।श्रीमती विजयलक्ष्मी मोदी एवं रोटरेक्ट नरेश गुप्ता द्वारा मनीषा यादव और पूजा गर्ग का सम्मान भी किया गया*

सार-समाचार

जादौन का निधन

बदनावर। वरिष्ठ पत्रकार ग्रामीण पत्रकार संघ के अध्यक्षभूपेंद्र सिंह जादौन के पिता ठाकुर विजेंद्र पाल सिंह जादौन ठिकाना गंगानी पूर्व नायब नजीर न्याय विभाग बदनावर का 72 वर्ष की उम्र में मंगलवार सुबह हृदयाघात आने से निधन हो गया है। पिता के निधन पर बेटे ने नेत्रदान का निर्णय लिया बड़नगर की गीता भवन न्यास संस्था एवं नेत्र मित्र द्वारा बड़ी चौपाटी महाराणा चौक उनके निवास पर पहुंचकर परिजनों की उपस्थिति में डॉक्टर एल ददरवाल, एवं सुभाष गुप्ते द्वारा दोनों नेत्र निकाले गए। पुत्र भूपेंद्र सिंह जादोन ने बताया कि बताया कि पिता की मृत्यु के बाद नेत्र दान का निर्णय लेना बड़ा ही कठोर होता है। इन नेत्र से जरूरतमंद व्यक्ति को नई रोशनी मिलेगी, आज मेरे पिता इस दुनिया में नहीं है पर उनकी आंखों से अन्य व्यक्ति दुनिया देखेगा, एवं पिता की स्मृति सदैव जीवित रहेगी, उनकी दी गई रोशनी किसी और की जिंदगी में खुशियों का संचार करेगी। अंतिम यात्रा बुधवार सुबह 9 बजे से बड़ी चौपाटी, कोर्ट के पीछे से निकाली जाएगी, नागेश्वर मुक्तिधाम पर अंतिम संस्कार किया जाएगा।

ब्राह्मण समाज के द्वारा उत्साहपूर्वक मनाया होली मिलन एवं फाग उत्सव

अमझेरा। ब्राह्मण समाज के द्वारा समाज की धर्मषाला में होली मिलन एवं फाग उत्सव कार्यक्रम उत्साहपूर्वक मनाया गया जिसमें धार जिला पत्रकार संघ अध्यक्ष प. छोटू शास्त्री ,संत गरुड़ दास जी महाराज, जिला पंचायत सदस्य गायत्री पुरोहित, भागवताचार्य, पं. सुभाष शर्मा, सनाढ्य ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष अजय व्यास सहित तहसील ब्राह्मण समाज के तहसील संगठन के सदस्य पंडित भूपेन्द्र जोशी सम्मिलीत हुए । कार्यक्रम की शुरूआत भगवान परशुराम के चित्र पर अतिथियों द्वारा माल्यार्पण एवं पूजन किया गया। साथ ही आगामी दिनों में ब्राह्मण समाज के परिवारों की सूक्ष्म जनगणना कराने का संकल्प लिया। अतिथियों का स्वागत प्रहलाद पारीक, प्रेम नारायण दिक्षित, केषवानंद शर्मा, दर्शन पारीक, गणेश पारीक, मनोहर दिक्षित, अमित तिवारी,गणेश शुक्ला ने किया। वहीं धर्मशाला की जमीन दान देने के लिए प्रहलाद शर्मा की माताजी श्रीमती जमनाबाई शर्मा का शाल श्रीफल से सम्मान किया गया। फाग उत्सव में समाज के सभी महिला,पुरूष व बच्चे सम्मिलीत हुए तथा भक्ति गीतो पर नृत्य करते हुए सभी ने एक दुसरे को रंग-गुलाल लगाया ।

पुराने बस स्टैंड पर प्याऊ शुरू

अमझेरा। यहां के पुराने बस स्टेण्ड पर गर्मी में राहगीरों के पेयजल की व्यवस्था के लिए ग्राम के युवाओं के द्वारा प्याऊ का शुभारंभ किया गया । प्रदीप शर्मा ने बताया कि विगत दिवस सांड की आपसी लड़ाई ने प्याऊ को क्षतिग्रस्त कर दिया था तथा पानी के मटके भी फुट गये थे जिसका नवीनीकरण किया गया है एवं टोटीयुक्त नये मटके लगा दिये गये है वहीं पानी की व्यवस्था अर्जुनसिंह परिहार के द्वारा की जा रही है।

बाबूजी प्रीमियर लीग क्रिकेट मैच 2 अप्रैल से प्रारंभ होगा

खेल मैदान पर पीच निर्माण, लाइटिंग व्यवस्था, मैदान सुव्यवस्थित करने में लगे कार्यकर्ता

बदनावर। विधायक भंवरसिंह शेखावत के माध्यम से विधानसभा क्षैत्र की खेल प्रतिभाओं के लिए विधायक टाफी का आयोजन किया जाएगा। बाबूजी प्रीमियर लीग क्रिकेट मैच 2 अप्रैल से प्रारंभ होगा। बाबूजी प्रीमियर लीग में क्रिकेट का रोमांच देखने को मिलेगा। लीग मैच में बदनावर विधानसभा की ग्राम पंचायत की टीम भाग लेगी। अब तक करीब 70 टीमों ने पंजीयन कराया है। लीम मैच में भाग लेने हेतु पंजीयन 20 मार्च तक किया जा सकता है। आयोजन को लेकर विधायक शेखावत के मार्गदर्शन में कार्यकर्ताओं खेल मैदान पर पीच का निर्माण, लाइटिंग व्यवस्था, मैदान की सफाई एवं मैदान को सुव्यवस्थित करने हेतु पानी का छिडकाव किया गया। परितोशसिंह बंजी बना, संदीपसिंह शेखावत, सोनू जाट, पियुश राठौड, राहुल पाटीदार, विधायक निजी सचिव आरपीसिह, कार्यालय प्रभारी राजेन्द्र जाट, आशिष जोशी सहीत कई कार्यकर्ता व्यवस्था में लगे है। जानकारी कांग्रेस मीडिया प्रभारी महेश पाटीदार ने दी।

नप की साधारण सभा में कई प्रस्ताव पास

बदनावर। नगर परिषद का साधारण सम्मेलन अध्यक्ष मीना शेखर यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को संपन्न हुआ। जिसमें वार्ड क्रमांक 15 कालाभाटा के आगे बन करीब 52 लाख लॉगत से पुनर्जीवित हो रहे बागेड़ी डेम का नामकरण रामसेतु रखने, शहर में चार्जिंग स्टेशन बनाने, ट्रैफिक व्यवस्था को देखते हुए सीएम राईज स्कूल के पास से पेटलावद रोड पर बायपास मॉर्ग बनाने समेत शहर में कराए जाने वाले विभिन्न विकास कार्यो को लेकर चर्चा की गई व स्वीकृति के प्रस्ताव पास किए गए।

बैठक में लेबड़ नयागांव फोरलेन स्थित ग्राम पिटगारा से पेटलावद रोड पर नागेश्वरधाम मन्दिर तक करीब 4 किलोमीटर सड़क के चौड़ीकरण, सौन्दर्यकरण तथा कवर्ड नाले निर्माण स्वीकृति को लेकर विचार विमर्श किया गया। साथ ही बड़ी चौपाटी पर करीब एक करोड़ लागत से बनने वाले स्वागतद्वार निर्माण के लिए प्राप्त न्यूनतम दर पर स्वीकृति को लेकर चर्चा की गई। इसके अलावा बढ़ते ट्राफिक व्यवस्था को लेकर सीएम राइज स्कूल के पास से पेटलावद रोड पर बायपास मॉर्ग बनाने को लेकर चर्चा कर प्रस्ताव पास किया। बैठक में बलवंती नदी से मंडी रोड के लिए बायपास व ब्रिज पुलिया निर्माण, शासकीय कॉलेज ग्राउंड पर पवेलियन निर्माण, सीएम राइज स्कूल के पास आवंटित भूमि के पास रिक्त भूमि पर खेल मैदान बनाने, नंदराम चोपड़ा स्कूल पर बाइक स्टैंड के रूप में पड़े अनुपयोगी स्थान पर एक इंडोर बैडमिंटन स्टेडियम बनाने तथा नामांकरण प्रकरण की स्वीकृति पर विचार किया गया।

यहां नगर के तालाब पाल पर कबड्डी के लिए इनडोर स्टेडियम बनाने, आश्रय शुल्क अजा व अजजा वार्ड में विभिन्न निर्माण कार्य करने, वार्ड क्रमांक 7 में सीसी रोड निर्माण, श्री बैजनाथ महादेव मेला आयोजन के संबंध में प्राप्त दरों पर विचार विमर्श किया गया। साथ ही बदनावर के विकास के लिए मास्टर प्लान तैयार करने का भी निर्णय लिया। बैठक में बाजार बैठक व पशु बाजार ठेका नीलामी को लेकर प्राप्त दरो पर चर्चा की गई। 52 लाख लॉगत से वर्षो से बंद पड़े बागेड़ी डेम को पुनर्जीवित करने के साथ ही उसका नामकरण रामसेतु करने का निर्णय लिया गया। 2028 में उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ को लेकर नागेश्वरधाम धाम पर विभिन्न विकास कार्यो को लेकर प्रस्ताव तैयार किया गया। क्षेत्र में बढ़ रहे इलेक्ट्रॉनिक वाहनों की संख्या को देखते हुए शहर के नागेश्वर बस स्टैंड, वार्ड 7 में पालिका बाजार, सरदार वल्लभभाई पटेल बस स्टैंड व जनपद पंचायत के सामने चार्जिंग स्टेशन बनाने का प्रस्ताव पास किया गया। इसके अलावा शहर में आवारा कुत्तों की दिनोदिन बढ़ती जनसंख्या को देखते हुए कुत्तों की नसबंदी करने के लिए एनजीओ रखने का तय किया गया। नगर के वार्ड दो, सात, आठ व पंद्रह में कम्युनिटी हाल निर्माण करने तथा वार्ड पांच व चौदह में बखतगढ़ रोड पर वाल्मिकी भवन निर्माण का प्रस्ताव पास किया। इसके अलावा वार्ड सात व पन्द्रह में सामुदायिक भवन निर्माण को लेकर चर्चा की गई। इसके अलावा बैठक में नगर के विभिन्न वार्डो में विकास कार्य करने व डीपीआर बनाने को लेकर प्रस्ताव तैयार किया।

झन्नुबाई सिर्वी को बनाया मेला समिति अध्यक्ष,

बैठक में यहां 25 मार्च से शुरू हो रहे 9 दिवसीय श्री बैजनाथ महादेव मेले को लेकर भी चर्चा की गई। बैठक में पार्षद झन्नुबाई सिर्वी को मेला समिति का अध्यक्ष बनाया गया। मेले का समापन 2 अप्रैल को होगा। बैठक में निकाय का वित्तीय वर्ष 2025-2026 का बजट भी पारित किया गया। जिसमें आय 64 करोड 8 लाख 53 हजार 923 रुपए व 64 करोड 6 लाख 96 हजार 838 रुपए व्यय के साथ बचत 1 लाख 57 हजार 85 रुपए बचत के साथ बजट सर्वानुमति से स्वीकृत हुआ। नगर परिषद अध्यक्ष मीना यादव ने बताया कि बजट में इस साल भी शहरवासियों के लिए कोई अतिरिक्त शुल्क नही रखा गया है। उन्होंने बताया कि बड़े कार्यो में बजट के रूप 15 करोड़ का कांप्लेक्स निर्माण के साथ ही गोशाला निर्माण 6 करोड़, चार्जिंग स्टेशन 1 करोड़, स्टेडियम निर्माण 5 करोड़, गीता भवन निर्माण 5 करोड़, बड़ी चौपाटी स्वागतद्वार 1 करोड़ व स्वच्छता आदि कार्यो के लिए कुल 33 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। बैठक में मुख्य नगर पालिका अधिकारी लालसिंह राठौर, नगर परिषद उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह पंवार, पार्षद भारती राठौड़, जितेंद्र शर्मा, अनिता चौहान, अनिता जाधव, झन्नुबाई सिर्वी, भगवंताबाई राव, सुखराम देवदा, महिपाल सिंह पंवार, जगदीश पाटीदार, हरिश मांगलिया आदि मौजूद थे।

राधाकृष्णा- समरसता फाग यात्रा के साथ निकलेंगी कई यात्राएं, मोतीबाग चौक से होगी शुरुआत

350 से अधिक पुलिसकर्मियों की तैनाती, 10 पेट्रोलिंग पार्टियां लगातार करेंगी गश्त, ड्रोन से निगरानी

पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्थाओं के किए तगड़े इंतजाम, हुडदंगियों और असामाजिक तत्वों पर विशेष नजर

धार। बुधवार को रंगपंचमी का पर्व धुमधाम से मनाया जाएगा। शहर में राधाकृष्णा् समरसता फाग यात्रा के साथ कई फाग यात्राएं निकाली जाएगी। फाग यात्रा की शुरुआत शहर के मोतीबाग चौक होगी इसके बाद यात्राएं राजवाड़ा होते हुए आनंद चौपाटी, धानमंडी, भाजीबाजार, पट्ठा चौपाटी, नालछा दरवाजा, पौ चौपाटी होते हुए पुन राजवाड़ा पहुंचेंगी जहां फाग यात्रा का समापन होगा। फाग यात्राओं को लेकर पुलिस प्रशासन ने भी सुरक्षा और व्येवस्थां के तगड़े इंतजाम किए है।

फाग यात्रा को शांतिपूर्ण और सुरक्षित रूप से संपन्न कराने के लिए पुलिस ने व्यापक इंतजाम किए हैं। यात्रा के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए 350 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा। 10 पेट्रोलिंग पार्टियां लगातार गश्त करेंगी। 4 मोबाइल पार्टियां शहर में भ्रमण करेंगी। फाय यात्रा के रूट के आगे और पीछे ड्रोन से निगरानी रखी जाएगी। असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखी जाएगी। साथ ही सोशल मीडिया पर भी विशेष निगरानी रखी जाएगी। शराब पीकर वाहन चलाने वालों की सघन जांच की जाएगी। यात्रा समापन के बाद शाम को तेज रफ्तार बाइक सवारों को रोको टोको अभ?यान चलाया जाएगा। अभियान का उद्देश्य त्योयहारों पर दुर्घटनाओं को से लोगो को बचाने का होगा।

पुलिस ने सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रख रही है। पुलिस ने चेतावनी दी है कि हुड़दंगियों और असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखी जाएगी और किसी भी तरह के आपत्तिजनक पोस्ट करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। सायबर सेल की टीम फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप जैसे विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नजर बनाए हुए है। राधाकृष्ण की होगी आरती – भोज उत्सव समिति के महामंत्री सुमित चौधरी ने बताया कि राधाकृष्ण समरसता फाग यात्रा निकालने का मुख्य उद्देश्य समाज में समरसता लाना है। 25 साल पहले जब यात्रा की शुरुआत हुई थी उस दौरान समिति के सीमित लोग ही यात्रा में शामिल होते थे। परंतु वक्त बदला उसी के साथ यात्रा के स्वरूप में भी बदलाव हुआ है। आज हजारों लोग इस यात्रा में शामिल होते हैं। सबसे पहले समाज प्रमुख का साफा पहनाकर सम्मान किया जाएगा। इसके बाद समाज प्रमुख द्वारा राधा कृष्ण भगवान की आरती उतारी जाएगी। इसके बाद यात्रा की शुरुआत होगी जो शहर के विभिन्न मार्गो से होते हुए राजबाड़ा पर समापन होगी। भोज उत्सव समिति के महामंत्री सुमित चौधरी ने बताया कि राधाकृष्ण समरसता फाग यात्रा निकालने का मुख्य उद्देश्य समाज में समरसता लाना है। 25 साल पहले जब यात्रा की शुरुआत हुई थी उस दौरान समिति के सीमित लोग ही यात्रा में शामिल होते थे। परंतु वक्त बदला उसी के साथ यात्रा के स्वरूप में भी बदलाव हुआ है। सबसे पहले समाज प्रमुख का साफा पहनाकर सम्मान किया जाएगा। इसके बाद समाज प्रमुख द्वारा राधा कृष्ण भगवान की आरती उतारी जाएगी। यात्रा शहर के विभिन्न मार्गो से होते हुए राजबाड़ा पर समापन होगी। सीएसपी रविन्द्र वास्काले ने बताया कि 350 पुलिसकर्मीयों का बल तैनात किया जाएग। 10 पेट्रोलिंग पार्टियां लगातार गश्त करेंगी। 4 मोबाइल पार्टियां शहर में भ्रमण करेंगी साथ ही हुडदंगियों और असामाजिक तत्वों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी।

पटेल कालोनी में गायत्री मित्र मंडल द्वारा फाग उत्सव मनाया

बाग। फाग उत्सव में महिला व बच्चों ने राधा कृष्ण बनकर फागुन होली के गीतों पर झूम कर नृत्य किया। वही महिलाओं ने राधाकृष्ण के साथ मिलकर फाल्गुनी गरबे खेले। फाग यात्रा गायत्री मंदिर से शुरु होकर पटेल कालोनी की गलियों से होती हुई पुनः मंदिर पहुची। फाग यात्रा में ढोल ढमाके से निकली फाग यात्रा का जगह जगह गुलाल व पुष्पों से स्वागत किया गया।

आशा गोराना ने बताया कि होली मात्र एक पर्व नहीं, बल्कि भारतीय समाज की उस सांस्कृतिक चेतना का हिस्सा है, जो रंगों के माध्यम से जीवन के विविध आयामों को अभिव्यक्त करती है। यह पर्व परंपरा और आधुनिकता के संयोग का उदाहरण है, जहां उत्सवधर्मिता, सामाजिक समरसता और मनोवैज्ञानिक प्रभाव, तीनों पहलू समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। बदलते समय के साथ होली का स्वरूप भी परिवर्तित हुआ है। अब यह केवल व्यक्तिगत आनंद तक सीमित नहीं, बल्कि सामूहिक चेतना और सामाजिक जुड़ाव का भी प्रतीक बन गई है। फाग यात्रा में नगर की सैकड़ों महिलाओं ,पुरुषों,व बच्चों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया।

कन्या उमावि बाग की कुमारी रोशनी बघेल कुक्षी तहसील में प्रथम

बाग। शा.कन्या उ. मा. वि. बाग की कक्षा 10 वीं की छात्रा कुमारी रोशनी प्रताप सिंह बघेल ने भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में तहसील स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

छात्रा की इस उपलब्धि पर संस्था प्राचार्य श्रीमती जानू मौर्य, भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा प्रभारी अखिलेश चौबे, आशा सोनी, अर्चना राठौर सहित समस्त शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने शुभकामनाएं दी। विद्यालय की हायर सेकंडरी स्तर की 54 छात्राओं ने इस परीक्षा में भाग लिया जिनमें से 11 छात्राओं ने श्रेष्ठ श्रेणी प्राप्त की तथा शेष सामान्य श्रेणी से उत्तीर्ण हुई।

किराना व्यापारी संघ महिला मंडल की गणगौर शोभायात्रा 22 मार्च को

नागदा जं. निप्र। किराना व्यापारी संघ महिला मंडल की अगुवाई में गणगौर की भव्य शोभा यात्रा 22 मार्च को शाम 4 बजे निकाली जाएगी। महिला मंडल संरक्षक मंजू बाला पोरवाल ने बताया की गणगौर शोभायात्रा शाम 4 बजे कृषि उपज मंडी स्थित श्री मनसा पूर्ण गणेश मंदिर से प्रारंभ होकर एम जी रोड जवाहर मार्ग दीनदयाल चौक से रानी लक्ष्मी बाई मार्ग पाल्यारोड चौराहा सुभाष मार्ग होती हुई पुनः मंडी परिसर में समाप्त होगी। गणगौर शोभायात्रा में बेस्ट क्वीन बेस्ट ड्रेस की स्पर्धा भी रखी गई है। मंडल अध्यक्ष प्रीति पोरवाल के मुताबिक शोभायात्रा के सफल संचालन के लिए संयोजक समिति बनाई गई हे जिसमे नीता राठी, किरण राठौर, रेखा जैन, आशा जवेरिया, जया पांडे, नागेश्वरी पाल को शामिल किया गया। आयोजन को सफल बनाने का अनुरोध प्रीति पोरवाल, रूपाली पोरवाल, वंदना पोरवाल, सोनाली गुर्जर, सुनीता राठी, जया राठी, सीमा परमार, मीना राठौर, वर्षा अग्रवाल, सीमा कामरिया, संगीता सेठिया, रीमा पोरवाल, नीता सेठिया, उर्वशी राठौर, मधुबाला भारद्वाज, सोनू मेहता, पिंकी पोरवाल आदि ने किया।

गुड़ी पड़वा, 30 मार्च पर वार्षिक समारोह हेतु बैठक संपन्न, सर्वसुविधायुक्त धर्मशाला, पार्किंग व्यवस्थित करेंगे

ब्राह्मण समाज समाजसेवी, वयोवृद्ध, सेवानिवृत एवं प्रतिभाओं का करेगा सम्मान

नागदा जं. निप्र। श्री सहस्त्र औदीच्य ब्राह्मण समाज का परंपरागत गुड़ी पड़वा के अवसर पर चौत्र प्रतिपदा 30 मार्च को समाज का वार्षिक उत्सव प्रकाश नगर स्थित धर्मशाला में मनाया जाएगा। इसी तारतम्य में ट्रस्ट के अध्यक्ष सिद्धनाथ पाठक के नेतृत्व में 16 मार्च को रात्रि 8 बजे, समाज की प्रकाश नगर स्थित धर्मशाला में श्री गोविंद माधव ट्रस्ट की बैठक आहूत हुई, जिसमें समाज के ट्रस्टी एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने विभिन्न विषयों पर चर्चा की। सर्वानुमति से निर्णय पारित किए गए, वार्षिक समारोह स्वागत समिति तथा अध्यक्ष कार्यकाल पूर्ण होने पर नवीन अध्यक्ष की नियुक्ति पर विचार किया, समाज के युवा संगठन एवं महिला मंडल को गतिशीलता के लिए पूर्व अध्यक्ष पंडित चंद्रशेखर दवे द्वारा समाज हित में उनके सक्रिय योगदान के लिए दिशा निर्देश दिए गए।

बैठक में सामाजिक व्यवस्था सुदृढ़ बनाने के लिए कई बिंदुओं की चर्चा की गयी जिनमें धर्मशाला में पार्किंग व्यवस्था के लिए एक गार्ड की नियुक्ति की जाएगी, नवीन टीन शेड निर्माण, सुव्यवस्था एवं किराए संबंधित चर्चा, धर्मशाला के सभी तलों पर वेस्टर्न प्रशासन का निर्माण, धर्मशाला के कमरों में अतिथियों के लिए पलंग व बिस्तर की व्यवस्था, धर्मशाला की बुकिंग में एडवांस एवं निरस्तीकरण की राशि पर निर्णय किया गया। गुड़ी पड़वा पर समाजसेवी प्रतिभा एवं समाज के अतिथियों को निमंत्रण हेतु नामांकित किया गया। तत्कालीन अध्यक्ष सिद्धनाथ पाठक ने उनके 3 वर्षीय कार्यकाल को स्वर्णिम बनाने में समाज जन के सहयोग हेतु आभार कर, जीवन पर्यंत समाज के प्रति समर्पित एवं प्रतिबद्धता का संकल्प लिया गया। नवीन अध्यक्ष के रूप में वरिष्ठ समाजसेवी डॉक्टर प्रदीप रावल का नाम प्रस्तावित किया गया जिसे सर्वानुमति से स्वीकृति देकर नवीन अध्यक्ष की घोषणा की गई। बैठक में ट्रस्ट अध्यक्ष सिद्धनाथ पाठक, डॉ. प्रदीप रावल, मोहनलाल डैडी उपाध्याय, राजकुमार जोशी, सत्यनारायण त्रिवेदी, डॉ. रमेश चंद्र रावल, सुंदरलाल जोशी, चंद्रशेखर दवे, घनश्याम दवे, महेश व्यास,ललिता शंकर पाठक, सुभाष चंद्र व्यास, निरंजन कुमार उपाध्याय, जगदीश पंड्या, कैलाश चंद्र शर्मा, चंदन सिंह व्यास, छगनलाल शर्मा, चंद्रशेखर त्रिवेदी, ईश्वर शर्मा, रामचंद्र त्रिवेदी,अखिलेश मेहता, हेमंत कुमार दवे, राजेश ज्ञानी, राधेश्याम जोशी,राधा कृष्ण व्यास, सुनील ठाकुर, राकेश शर्मा, सुमित दवे, निलेश मेहता, शिवमंगल उपाध्याय, अजय पंड्या, देवेश मेहता, नीरज जोशी, मनोज व्यास आदि बड़ी संख्या में समाज जन कार्यकारिणी सदस्य एवं युवा साथी मौजूद रहे। जानकारी औदीच्य समाज के मीडिया प्रभारी निलेश मेहता ने दी।

खाचरौद में फूड प्रोसेसिंग प्लांट के लिए निवेशक नहीं, सीएम की घोषणा अधर में

नागदा जं. निप्र। प्रदेश में कृषि एवं उद्यानिकी क्षेत्र को बढ़ावा देने की लगातार घोषणाएँ की जाती हैं, लेकिन जब उनके क्रियान्वयन की बारी आती है, तो कई योजनाएँ अधर में लटक जाती हैं। ऐसी ही स्थिति खाचरौद में प्रस्तावित फूड प्रोसेसिंग प्लांट की भी है, जिसकी घोषणा पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा की गई थी, लेकिन आज तक उस पर कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई। विधानसभा में पूछे गए प्रश्न के जवाब में उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने स्पष्ट किया कि प्लांट के लिए अब तक किसी भी निजी निवेशक ने रुचि नहीं दिखाई है।

कागजों में सिमटी योजना, डबल इंजन सरकार का भी असर नहीं

हालांकि, 2016 में मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणा आज तक कागजों तक ही सीमित रह गई है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इस परियोजना के लिए अब तक किसी भी निजी निवेशक ने रुचि नहीं दिखाई है। इसका सीधा अर्थ यह है कि सरकार ने निवेशकों को आकर्षित करने के लिए कोई ठोस योजना ही नहीं बनाई। क्षेत्र में डबल इंजन, ट्रिपल इंजन सरकार होने का नारा जोरों से बुलंद किया जाता है, लेकिन 9 साल बीत गए खाचरौद में मुख्यमंत्री की घोषणा को लेकिन शासन प्रशासन उसे आज तक पुरा नहीं कर पाया। बीते 9 वर्षो में 4 साल का समय भाजपा विधायकों दिलीपसिंह शेखावत एवं डॉ. तेजबहादुरसिंह चौहान के कार्यकाल का है वहीं 5 वर्ष कांग्रेस विधायक दिलीप गुर्जर का कार्यकाल रहा है। स्थानीय किसानों और व्यापारियों का मानना है कि सरकार को इस दिशा में गंभीर कदम उठाने चाहिए। यदि सरकार स्वयं इस परियोजना में रुचि ले और आवश्यक सुविधाएँ प्रदान करे, तो निश्चित रूप से निजी निवेशक भी इस क्षेत्र में निवेश के लिए आगे आएंगे।

विधानसभा में हुए थे यह प्रश्न

विधानसभा के बजट सत्र के तहत 18 मार्च को सदन में विधायक डॉ. तेजबहादुरसिंह चौहान ने प्रश्न किए थे कि क्या उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि खाचरौद मटर उत्पादन एवं सब्जी उत्पादन का प्रमुख केंद्र है? यहाँ से देश भर में मटर भेजने का कार्य होता है। माननीय पूर्व मुख्यमंत्री जी द्वारा खाचरौद में फूड प्रोसेसिंग प्लांट प्रारंभ किए जाने की घोषणा कब तक मूर्त रूप लेगी?

सदन में उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण मंत्री ने दिया उत्तर- कुशवाह ने लिखित उत्तर में बताया कि हाँ, पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा घोषणा क्रमांक ठ-1511, दिनांक 10 जनवरी 2016 से खाचरौद में मटर फली हेतु फूड प्रोसेसिंग प्लांट प्रारंभ किए जाने की घोषणा की गई थी, किंतु किसी भी निजी निवेशक द्वारा फूड प्रोसेसिंग प्लांट हेतु रुचि नहीं ली गई। शेष प्रश्न ही उत्पन्न नहीं होता।

किसानों को नहीं मिल रहा लाभ- खाचरौद और आसपास के क्षेत्रों में मटर एवं अन्य सब्जियों का बड़ा उत्पादन होता है, लेकिन स्थानीय स्तर पर प्रोसेसिंग यूनिट के अभाव में किसानों को अपनी उपज कम कीमत पर बेचनी पड़ती है। यदि फूड प्रोसेसिंग प्लांट स्थापित किया जाता, तो इससे किसानों को बेहतर दाम मिलते और क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर पैदा होते।

मुख्यमंत्री की घोषणा या भूली-बिसरी यादें ?

फूड प्रोसेसिंग प्लांट की स्थापना के लिए सरकार को निवेशकों को आकर्षित करने के प्रयास करने चाहिए। यदि निजी निवेशक नहीं मिल रहे, तो सरकार को स्वयं इस परियोजना को मूर्त रूप देने के लिए पहल करनी चाहिए। स्थानीय किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य दिलाने और रोजगार बढ़ाने के लिए इस योजना को शीघ्र लागू किया जाना चाहिए। अब देखना यह होगा कि सरकार इस अधर में लटकी योजना को गति देती है या फिर यह महज एक और भूली-बिसरी घोषणा बनकर रह जाती है।

नागदा-खाचरौद के 2200 पात्र हितग्राही खाद्यान्न पर्ची से वंचित

कंट्रोल से नहीं मिलता राशन, आयुष्यमान सहित अन्य योजनाओं का लाभ भी नहीं मिल रहा

नागदा जं. निप्र। मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत पात्र हितग्राहियों को खाद्यान्न पर्ची जारी करने की प्रक्रिया में गंभीर अव्यवस्थाएँ सामने आई हैं। विधानसभा में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में खाद्य मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने स्वीकार किया कि नागदा-खाचरौद विधानसभा क्षेत्र में 2200 पात्र हितग्राही अब तक खाद्यान्न पर्ची से वंचित हैं।

मंत्री के अनुसार, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 की निर्धारित पात्रता सीमा और हितग्राही सूची के समायोजन की प्रक्रिया के कारण इन पात्र हितग्राहियों को अभी तक खाद्यान्न पर्ची जारी नहीं की जा सकी है। यह स्थिति तब है जब पूर्व में 44,017 परिवारों को खाद्यान्न पर्चियाँ वितरित की जा चुकी हैं।

विधानसभा में मंत्री राजपूत ने दिया उत्तर- खाद्य मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने विधानसभा में प्र. क्र. 54 (1554) के दिए गए लिखित उत्तर में बताया कि नागदा-खाचरौद विधानसभा में विगत दिनों मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान में खाद्य विभाग की कोई योजना शामिल नहीं थी। नियमित रूप से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जिन पात्र लोगों के द्वारा खाद्यान्न पर्ची बनाने के लिए आवेदन किया गया, उन्हें स्थानीय निकाय एवं खाद्य विभाग के संबंधित आपूर्ति अधिकारी द्वारा राशन मित्र पोर्टल पर पात्रता स्वीकृत की गई है। नागदा-खाचरौद विधानसभा में पूर्व में ही 44,017 परिवारों को खाद्यान्न पर्ची वितरित की जा चुकी है। मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों का परीक्षण किया गया है एवं पात्र हितग्राहियों को खाद्यान्न पर्ची जारी की जा रही है। वर्तमान में 2200 आवेदन पात्र पाए गए हैं, जिनमें से कुछ को अनुमोदन किया जा चुका है, लेकिन राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के तहत निर्धारित पात्रता सीमा एवं हितग्राही सूची के समायोजन के कारण अब तक इन नवीन पात्र पर्चियों को जारी नहीं किया जा सका है।

डॉ. चौहान ने किया था प्रश्न- विधानसभा में विधायक डॉ. तेजबहादुर सिंह चौहान ने खाद्य मंत्री से प्रश्न किया था कि नागदा खाचरौद विधानसभा में विगत दिनों मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के अंतर्गत ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जिन पात्र लोगों के द्वारा खाद्यान्न पर्ची बनाने के लिए आवेदन किया गया, उन आवेदनों पर क्या कार्यवाही हुई? उन्होंने यह भी प्रश्न किया था कि नागदा खाचरौद विधानसभा में कितने लोगों को खाद्यान्न पर्ची वितरित की गई? विगत कई माह पहले जब मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के पूर्व में भी कितने व्यक्तियों को खाद्यान्न पर्ची मिलने की पात्रता सूची में शामिल किया गया है और इनमें से कितने आवेदनों पर कार्यवाही हो रही है? ऐसे कितने पात्रता प्राप्त आवेदन हैं जो विभाग के समक्ष विचाराधीन हैं जिनको अभी तक खाद्यान्न मिलना प्रारंभ नहीं हुआ है? क्या ऐसे लोगों की संख्या विभाग के पास उपलब्ध है?

प्रशासन की ज़िम्मेदारी

अब देखना यह होगा कि सरकार और प्रशासन इन 2200 पात्र हितग्राहियों को कब तक खाद्यान्न पर्ची उपलब्ध कराता हैं और उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए क्या ठोस कदम उठाता हैं।

लियो क्लब नागदा ग्रेटर रीजन कांफ्रेंस में हुआ सम्मानित

नागदा जं. निप्र। लायंस इंटरनेशनल की डिस्ट्रिक्ट 3233-जी2 रीजन 7 की रीजन कॉन्फ्रेंस श्रीपदा का आयोजन उज्जैन में हुआ। जिसमें वर्ष 2024-2025 के कार्यों के आधार पर रीजन के सभी क्लबों के कुछ पदाधिकारियों एवं कुछ क्लबों को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया।

लियो क्लब नागदा ग्रेटर को रीजन का सर्वश्रेष्ठ क्लब, लियो अनुज कांठेड़ को सर्वश्रेष्ठ अध्यक्ष, लियो आनंद पोरवाल को सर्वश्रेष्ठ सचिव, लियो अप्रतिम सुराणा को सर्वश्रेष्ठ कोषाध्यक्ष,लियो कपल गरबा को सर्वश्रेष्ठ सेवा गतिविधि के लिए रीजन चेयरमैन लायन रवि बंसल, मुख्य अतिथि लायन कुलभूषण मित्तल, पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन भगवान दास ऐरन, लायन आर जी पाठक ने सम्मानित किया। इस अवसर पर लायन विरेन्द्र मालपानी, हरीश तिवारी, गुलज़ारीलाल त्रिवेदी, राजेश इंद्र, संजय सक्सेना, लायन्स क्लब नागदा ग्रेटर के अध्यक्ष अशोक बिसानी, सचिव राकेश डाबी, कोषाध्यक्ष मुकेश राठौड, विनय राज शर्मा, अजय पोरवाल, पीडी शुक्ला, सुनील त्रिवेदी, मनोज सोनी, लता खेतान, सहित पूरे रीजन के सभी क्लब के लायन,लियो सदस्य एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

भारतीय मजदूर संघ ने पीएम के नाम दिया ज्ञापन

नागदा जं. निप्र। भारतीय मजदूर संघ जिलामंत्री करण सिह शेखावत के नेतृत्व में प्रधानमंत्री के नाम एक ज्ञापन एसडीएम नागदा को सौंपा गया। इस दौरान पूर्व मप्र कामगार बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष सुल्तानसिंह शेखावत, जिला अध्यक्ष गजेंद्र शर्मा, अशोक गुर्जर, राजेंद्र पेडंसे, हिमांशु राणावत, रामलाल पंडया, बालकिशन धौलपुरे, राज्य कर्मचारी संघ से अनोखी लाल प्रजापत, संतोष जोशी, सोनू राठौर, बालकिशन शर्मा, अनिल दुबे, महेश नायर, वीरेंद्र सिंह चौहान, गोपाल कुर्मी, जवाहरलाल शर्मा आंगनबाड़ी से मीना खिचर ,वंदना रघुवंशी, संगीता, संतोष मीणा आदि बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित हुए। ज्ञापन का वाचन राजकुमार सिसोदिया ने किया एवं आभार गिरधारी लाल सोनी ने माना। ज्ञापन में बताया गया कि बीएमएस की अखिल भारतीय कार्य समिति की बैठक 11-12 फरवरी को गुवाहाटी में संपन्न हुई इस बैठक में भारत सरकार का केंद्रीय बजट 2025- 2026 पर प्रस्ताव पारित किया गया जिसमें 6 जनवरी 2025 को बचत पूर्व बैठक में भारतीय मजदूर संघ द्वारा दिए गए सुझावों पर अपेक्षा के अनुरूप पूरी तरह कार्रवाई कार्यवाही नहीं की गई जिसमें ईपीएस 95 की न्यूनतम पेंशन रुपए 5000 तत्काल की जाए वह अंतिम तौर पर वेतन का 50प्रतिशत प्लस महंगाई भत्ता पेंशन का भुगतान किया जाए।

गणगौर को लेकर सीरवी समाज की बैठक संपन्न

31 मार्च को खुलेगी माता की बाड़ी

कुक्षी। शहर के श्री आई माता मंदिर में क्षेत्र के प्रसिद्ध गणगौर पर्व को लेकर बैठक संपन्न हुई। यह जानकारी देते हुए क्षत्रिय सीरवी समाज अध्यक्ष कांतिलाल गेहलोत ने बताया कि गणगौर पर्व को मनाने हेतु बैठक कर सर्वसम्मति से गणगौर पर्व मनाने का निर्णय लिया गया।

आई माता मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य घनश्याम चाष्टा ओर पंडित कमल रावत (मुख्य बाड़ी धानमंडी कुक्षी) के सान्निध्य मे निर्णय लिया गया। 24 मार्च को माता की बाड़ी बोई जाएगी।31मार्च को माता की बाड़ी खुलेगी तथा माता का आगमन होगा।2अप्रैल को बुधवार होने से माता की विदाई 3 अप्रैल को होगी। अतः इस बार माता चार दिन रहेगी।इस तरह नगर में 10 दिनों तक घरों में माता के गीत ,झालरीये गूंजने के साथ धार्मिक उत्सव की धूम रहेगी।

25 मार्च से फुल पाती का आयोजन- 25 मार्च को माता की बाड़ी बोने के साथ 7 पाती के आयोजन की शुरुआत होगी।जो 31 मार्च माता के आगमन तक जारी रहेगी।31 मार्च को बड़ी पाती का आयोजन किया जाएगा।10 दिनों तक भक्त माता की भक्ति में लीन होकर पूजन अर्चन करेंगे। इस सबसे बड़े धार्मिक त्योहार को लेकर गत दिनों श्री आई माता मंदिर में एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सकल पंच अध्यक्ष कांतिलाल गेहलोत, उपाध्यक्ष कैलाश काग, पंच राजेश भायल, वरिष्ठ पंच राजेश राठौर , मोतीलाल काग (कोठारी) , रमेश चंद कोटवाल के साथ पूर्व पंच, समाज के वरिष्ठ जन एवं युवा साथी उपस्थित रहे।

स्टाइलिश अंदाज में नजर आईं सोनम

बॉलीवुड की फैशन आइकन सोनम कपूर भले ही काफी समय से बड़े पर्दे से दूर हैं, लेकिन उनका स्टाइल स्टेटमेंट हमेशा सुर्खियों में रहता है। सोनम को हाल ही में मुंबई एयरपोर्ट पर बेहद स्टाइलिश अंदाज में स्पॉट किया गया, जहां उनका बॉस लेडी लुक सबका ध्यान खींचने में कामयाब रहा। सोनम ने व्हाइट शर्ट के साथ ग्रे पैंट और मैचिंग कोट पहना था, जिसमें वह बेहद एलिगेंट नजर आईं। अपने लुक को कंप्लीट करने के लिए उन्होंने ब्लैक शूज और एक लार्ज साइज का हैंडबैग कैरी किया। उनका मिड-पार्टिशन हेयरस्टाइल और मिनिमल मेकअप उनके लुक को और भी क्लासी बना रहा था। सोनम की ये एयरपोर्ट तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं, और फैंस उनके इस स्टाइलिश लुक की जमकर तारीफ कर रहे हैं। सोनम का यह अंदाज एक बार फिर साबित करता है कि वह सिर्फ एक बेहतरीन एक्ट्रेस ही नहीं, बल्कि बॉलीवुड की फैशन क्वीन भी हैं।

अपूर्वा मखीजा की ओटीटी डेब्यू फिल्म 'नादानियां' रिलीज़

हाल ही में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अपूर्वा मखीजा की ओटीटी डेब्यू फिल्म 'नादानियां' रिलीज़ हुई, लेकिन उन्होंने इसके प्रमोशन से दूरी बनाए रखी। इसी बीच सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर सूफी मोतीवाला, जो अक्सर सेलेब्रिटीज की आलोचना के लिए जाने जाते हैं, ने अपूर्वा की इस फिल्म पर एक पोस्ट किया। सूफी ने अपूर्वा की एक्टिंग और उनके फैशन सेंस की तारीफ की। इस पोस्ट पर अपूर्वा ने एक दिलचस्प कमेंट किया, जिसमें उन्होंने लिखा, इतनी नफरत मिली कि अब सूफी मोतीवाला भी मेरे बारे में नफरत भरी बातें नहीं कहता। अपूर्वा का यह कमेंट कुछ ही समय में वायरल हो गया और सोशल मीडिया पर चर्चाओं का विषय बन गया। कुछ यूजर्स ने इस पर मज़ाकिया प्रतिक्रिया दी, तो कुछ ने इसे इंडस्ट्री में चल रहे ट्रोलिंग और नफरत भरे माहौल पर एक व्यंग्य बताया।

सॉल्ट उन पर से काफी दबाव हटा देगा, डिविलियर्स ने कहा

कोहली को स्मार्ट क्रिकेट खेलने की जरूरत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के महान बल्लेबाज एबी डिविलियर्स का मानना है कि विराट कोहली को स्मार्ट क्रिकेट खेलने पर ध्यान देना चाहिए और इस सीजन में खेल को नियंत्रित करना जारी रखना चाहिए क्योंकि आरसीबी के पास जबरदस्त ताकत है और फिल साल्ट से भारतीय सुपरस्टार पर दबाव कम करने की उम्मीद है।

आरसीबी के सबसे लगातार प्रदर्शन करने वालों में से एक होने के बावजूद, कोहली का स्ट्राइक रेट पिछले दो सीजन से चर्चा का विषय रहा है। हालांकि, बेंगलुरु फ्रेंचाइजी ने साल्ट और लियाम लिविंगस्टोन की इंग्लिश जोड़ी के साथ-साथ ऑस्ट्रेलियाई टिम डेविड और वेस्टइंडीज के रोमारियो शेफर्ड को शामिल किया है - जो गेंद को बेखौफ स्ट्राइक करते हैं - डिविलियर्स को लगता है कि कोहली अधिक स्वतंत्रता के साथ खेल सकते हैं। डिविलियर्स ने कहा, विराट अपने क्रिकेट का आनंद ले रहे हैं। मुझे नहीं लगता कि उन्हें फिल साल्ट के साथ बल्लेबाजी करते हुए अपना स्ट्राइक रेट बढ़ाना होगा। साल्ट अब तक के सबसे आक्रामक खिलाड़ियों में से एक हैं। मुझे लगता है कि वह विराट पर से बहुत दबाव हटा देंगे। विराट को वही करना चाहिए जो वह इतने सालों से कर रहे हैं... खेल को नियंत्रित करें, समझदारी से क्रिकेट खेलें। उनके पास किसी भी खिलाड़ी से बेहतर सहज ज्ञान है। वह जानते हैं कि कब थोड़ा आगे बढ़ना है और कब कम करना है। 11 सीजन तक आरसीबी के लिए खेलने वाले दक्षिण अफ्रीकी ने कहा कि कोहली को यह सुनिश्चित

करने की जरूरत है कि बल्लेबाजी क्रम में कोई गिरावट न आए। विराट को इस टूर्नामेंट में बल्लेबाजी विभाग का कप्तान होना चाहिए और वास्तव में चीजों को एक साथ रखना चाहिए, समझदारी से क्रिकेट खेलना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि बल्लेबाजी क्रम में कोई गिरावट न आए। पूर्व प्रोटियाज कप्तान को लगता है कि कोहली को पिछले कुछ सीजन में अनावश्यक आलोचना का सामना करना पड़ा है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि बाहर से आने वाले शोर ने उसे थोड़ा प्रभावित किया होगा। वह केवल इंसान है, उसके दिमाग में निश्चित रूप से संदेह है। लेकिन विराट के बारे में एक बात यह है कि जब सबसे ज़्यादा ज़रूरत होती है, जब वह अपनी टीम के लिए उस सीमा को पार करता है, तो वह हर चीज़ को रोक देता है और फिर काम पर लग जाता है। डिविलियर्स ने कहा कि पाटीदार की सबसे बड़ी चुनौती डु प्लेसिस और कोहली जैसे पिछले कप्तानों के जूते में कदम रखते हुए आत्म-संदेह से निपटना होगा। उनकी सबसे बड़ी चुनौती असुरक्षा होगी, फाफ और विराट जैसे पिछले कप्तानों के जूते में कदम रखना... विराट का आस-पास होना और लगातार खुद पर संदेह करना। उन्हें अपने असली रूप में बने रहने की ज़रूरत है और विराट या फाफ की तरह कप्तान बनने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। और विराट के अनुभव का उपयोग करें, एंडी फ्लावर और कुछ अन्य खिलाड़ियों के अनुभव का उपयोग करें। आरसीबी पूरे सीजन में लगातार आगे बढ़ती रहेगी, अक्सर घर और बाहर के मैचों के बीच बदलती रहेगी। उनका शेड्यूल एक बड़ी बाधा बनने जा रहा है। टीम संतुलित है और यह उनके लिए अच्छा संकेत है, खासकर उनके शेड्यूल के साथ, जहां वे पूरे टूर्नामेंट में हर समय अलग-अलग स्थानों पर जाते रहते हैं। उनका शेड्यूल सबसे मुश्किल है। इस चुनौती के बावजूद, डिविलियर्स का मानना है कि आरसीबी के पास एक मजबूत और संतुलित टीम है। उनके पास केवल एक एक्स-फैक्टर स्पिनर की कमी है, है न? क्रुणाल पांड्या एक शानदार स्पिनर हैं। हमने उन्हें पिछले कुछ सालों में लगातार अच्छा प्रदर्शन करते देखा है और वे बल्ले से भी अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। उनके पास कुछ अन्य विकल्प भी हैं।लेकिन मेरा मतलब है, उस बल्लेबाजी लाइनअप को देखें। यह पूरी तरह से ताकत है। इसमें ताकत और नियंत्रण का मिश्रण है।

बीसीसीआई महिला वनडे विश्वकप के लिए तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीसीसीआई 22 मार्च को कोलकाता में अपनी शीर्ष परिषद की आपात बैठक में आईसीसी इवेंट के आयोजन स्थलों पर फैसला लेने के अलावा महिला वनडे विश्व कप की आयोजन समिति का गठन करेगा।

यह बैठक मौजूदा चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच ईडन गार्डन्स में आईपीएल के पहले मैच से पहले होगी। बीसीसीआई ने आखिरी बार 2013 में महिला वनडे विश्व कप की मेजबानी की थी। अक्टूबर में होने वाले टूर्नामेंट का सटीक कार्यक्रम अभी तय नहीं हुआ है। एजेंडे के अनुसार, महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 के लिए एलओसी के गठन और महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 के स्थलों के बारे में चर्चा होगी। भारत ने 50 ओवर के आयोजन के दो फाइनल में जगह बनाई है, लेकिन अंतिम बाधा पार नहीं कर पाया। हरमनप्रीत कौर की टीम का लक्ष्य घरेलू मैदान पर आईसीसी ट्रॉफी के लंबे इंतजार को खत्म करना होगा।एपेक्स काउंसिल 2025-26 के घरेलू सत्र के ढांचे को भी अंतिम रूप देगी।

तंबाकू प्रायोजन पर प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार

इस महीने की शुरुआत में, स्वास्थ्य मंत्रालय ने बीसीसीआई को 22 मार्च से शुरू होने वाले आईपीएल के दौरान सरोगेट विज्ञापनों सहित सभी प्रकार के तंबाकू और शराब के प्रचार पर प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया था। एपेक्स काउंसिल बैठक में उस मामले को उठाएगी, जिसमें तंबाकू के साथ-साथ क्रिप्टो करेंसी से संबंधित प्रायोजन भी शामिल हैं।

पंत ने एलएसजी नेट सत्र के दौरान कई अक्रामक शॉट्स लगाए

लखनऊ (एजेंसी)। भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज और लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के कप्तान ऋषभ पंत ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 से पहले अपने अभ्यास सत्र की शुरुआत की। एलएसजी द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में, पंत को गेंदबाज को सलाह देते हुए सुना गया, टाइम ले के डालो कोई जल्दी नहीं है, अपने को भी सांस चाहिए थोड़ी सी (अपना समय लो और गेंदबाजी करो, मुझे भी सांस लेने के लिए कुछ समय चाहिए)। पंत ने आक्रामक स्ट्रोक्स की झड़ी लगाने में कोई समय बर्बाद नहीं किया, जिससे गेंदबाज को सांस लेने की बहुत कम जगह मिली। वह अपने कुछ अपरंपरागत हिट के साथ शीर्ष फॉर्म में दिखे। वह आवाज... उफ्फ, एलएसजी के आधिकारिक एक्स हैंडल पर पंत के बल्लेबाजी वीडियो के कैप्शन में कहा गया है। एलएसजी के साथ पंत का आईपीएल सफर इससे अधिक काव्यात्मक नहीं हो सकता था क्योंकि वह 24 मार्च को विशाखापत्तनम में अपनी पूर्व टीम दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ एलएसजी के कप्तान के रूप में अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। अगस्त के बाद से पंत ने भारत के लिए कोई भी सफ़ेद गेंद का खेल नहीं खेला है और आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के बाद वह फिर से भारत के पहले पसंद के विकेटकीपर-बल्लेबाज बन सकते हैं।

पीएचक्यू को रिपोर्ट मिलने के बाद भी मामला अधर में

झूठे शपथ-पत्र मामले में सौरभ पर अब तक नहीं हो पाया प्रकरण दर्ज

इंदौर। लोकायुक्त के छापों की जद में आए परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा ने परिवहन विभाग में झूठा शपथ प्रस्तुत कर नौकरी पाई थी। मामले में अब तक कोई कार्रवाई नहीं हो सकी है। इसे लगातार सवा खड़े हो रहे हैं। बता दे कि मामले का खुलासा पहले ही हो चुका है। परिवहन विभाग ने सौरभ शर्मा की नौकरी के लिए उनकी मां द्वारा दिए गए शपथ-पत्र को जांच में असत्य पाया है। परिवहन विभाग ने जांच प्रतिवेदन के साथ सौरभ शर्मा और उनकी मां उमा शर्मा के खिलाफ शासकीय नौकरी के लिए असत्य शपथ-पत्र प्रस्तुत करने पर कूटरचित दस्तावेज के सहारे कदाचरण का प्रकरण दर्ज करने का मामला बताया है। यह प्रतिवेदन गृह विभाग को आगे की कार्रवाई के लिए भेजा गया है। गृह विभाग ने भी संबंधित मामले पर कार्रवाई के लिए फाइल पुलिस मुख्यालय को भिजवा दी है।

हालांकि अभी तक इस मामले में न तो भोपाल पुलिस में कोई प्रकरण दर्ज किया गया है और न ही लोकायुक्त में प्रकरण दर्ज हुआ है। क्योंकि लोकायुक्त मामले की जांच कर रही है, वह भी फर्जीवाड़ा करने का प्रकरण दर्ज कर सकती है। अब सवाल उठता है कि परिवहन विभाग की रिपोर्ट के आधार पर गृह विभाग ने जब प्रकरण दर्ज करने के लिए जांच प्रतिवेदन पुलिस मुख्यालय भिजवा दिया तो सौरभ और उनकी मां उमा शर्मा के खिलाफ सरकारी नौकरी के लिए झूठा शपथ-पत्र प्रस्तुत करने के मामले में एफआईआर क्यों नहीं हो पा रही है।

इस तरह झूठा साबित हुआ शपथ-पत्र

सौरभ शर्मा के पिता स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत थे। सौरभ शर्मा दो भाई हैं। बड़े भाई छत्तीसगढ़ सरकार में नौकरी करते हैं। सौरभ ने पिता की मौत के बाद अनुकंपा नियुक्ति पाने के लिए मां उमा शर्मा द्वारा जो शपथ-पत्र सरकार को दिलाया गया, उसमें उमा शर्मा द्वारा शपथ पूर्वक कथन किया गया है मेरे पति के अश्रित परिवार में कोई भी शासकीय सेवा में नहीं है।

इसके बादे सौरभ शर्मा को अनुकंपा नियुक्ति मिल सकी। जबकि सौरभ के बड़े भाई छत्तीसगढ़ में सरकारी नौकरी पर हैं, ऐसे में सौरभ मध्यप्रदेश में अनुकंपा नियुक्ति की पात्रता नहीं रखते हैं। परिवहन विभगा ने भी अपने जांच में माना है कि उमा शर्मा ने बहुत सारे तथ्यों को शपथ-पत्र में छिपाया है, इसलिए उनकी भूमिका संदेहास्पद है और प्रकरण दर्ज किया जाए।

क्या है पूरा मामला

परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा और उनके राजदार व बिजनेस पार्टनर चेतन सिंह गौर और शरद जायसवाल के ठिकानों पर लोकायुक्त पुलिस ने 18 दिसंबर को छापा मारा था। छापे की कार्रवाई 19 दिसंबर को भी की गई थी। 19-20 दिसंबर की दरमियानी देर रात मेंडोरा के जंगल में एक फार्म हाउस में लावारिस हालत में खड़ी इनोवा के अंदर 54 किलोग्राम सोना और 10 करोड़ से अधिक की नकदी आयकर विभाग ने बरामद की थी।

जिस इनोवा से यह सोना और नकदी बरामद हुई है, वह चेतन सिंह गौर के नाम रजिस्टर्ड है और उसका उपयोग सौरभ शर्मा द्वारा किया जा रहा था। इसके बाद 27 दिसंबर को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सौरभ शर्मा और उसके बिजनेस पार्टनर के ठिकानों पर छापा मारा था। ईडी की छापेमारी में सौरभ के ठिकानों से 6 करोड़ की एफडी, 23 करोड़ की संपत्ति सहित कुल 33 करोड़ की संपत्ति मिली थी। ईडी को जमीन से जुड़े दस्तावेज, रजिस्ट्रियां और कुछ कंपनियों के दस्तावेज सहित बैंक खातों की जानकारी भी हाथ लगी थी। 41 दिन की फरारी के बाद सौरभ शर्मा की कोर्ट में सरेंडर करते समय गिरफ्तारी हुई थी। इसके बाद चेतन और शरद को भी लोकायुक्त ने गिरफ्तार कर रिमांड पर लिया था। ईडी के बाद आयकर विभाग भी तीनों आरोपियों से पूछताछ कर चुकी है।

कैश-सोना सरकारी खजाने में जमा होगा

सौरभ शर्मा के सहयोगी चेतन सिंह गौर की इनोवा कार में मिले 11 करोड़ रुपए कैश और 54 किलो के करीब सोने को अब आयकर विभाग सरकारी खजाने में जमा कराएगा। इसकी वजह यह है कि सौरभ, उसके सहयोगी चेतन और शरद जायसवाल ने अब तक हुई पूछताछ में कार में मिले सोने और नकदी पर अपना दावा नहीं किया है। ऐसे में आयकर विभाग स्टेट बैंक में जमा कराए गए सोने और नकदी की अप्रेजल रिपोर्ट जारी करने के बाद इसे बेनामी संपत्ति घोषित करने की तैयारी में है। इस मामले में आयकर विभाग की बेनामी विंग की जांच भी चल रही है।

कांग्रेस ने लोकायुक्त को सौंपे घोटाले से जुड़े दस्तावेज

परिवहन का बजट 200 करोड का घोटाला 5 हजार करोड़

इंदौर। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा है कि परिवहन का बजट 150-200 करोड़ रुपए का है और घोटाला हजारों करोड़ का होता है। सरकार बताए कि इस मामले में बड़े मगरमच्छों पर कार्रवाई कब होगी। कांग्रेस विधायकों ने लोकायुक्त से भेंट कर जांच की मांग की है। सिंघार के नेतृत्व में सोमवार को कांग्रेस विधायकों के प्रतिनिधिमंडल ने लोकायुक्त से भेंट की और मंत्री गोविंद राजपूत सहित परिवहन घोटाले की जांच की मांग की। इस मामले में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने मध्यप्रदेश लोकायुक्त को मंत्री गोविंद राजपूत की हजारों करोड़ की बेनामी संपत्ति के दस्तावेज भी सौंपे।

नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस विधायकों ने लोकायुक्त को एक ज्ञापन भी सौंपा जिसमें कहा गया है कि गोविन्द सिंह राजपूत मंत्री मध्य प्रदेश शासन के द्वारा लोकसेवक के पद पर रहते हुये भ्रष्टाचार कर अपने स्वयं एवं पत्नि तथा पुत्रों, रिश्तेदारो एवं अन्य लोगों के नाम से सैकडों एकड़ जमीन अवैध लेनदेन कर खरीदने एवं बेनामी अवैध संव्यवहार की जांच किए जाने एवं सम्पत्ति अटैच करने की मांग की गई।

करोड़ों की प्रॉपर्टी खरीदी के प्रमाण दिए

इस दौरान उमंग सिंघार ने कहा कि परिवहन का बजट 150- 200 करोड रुपए का है और घोटाला 5 हजार करोड़ का होता है। उन्होंने कहा कि सोने की ईंट मिल रही है, यह किसकी है जांच एजेंसी बता नहीं पा रही हैं। उमंग सिंघार ने ये भी कहा कि इसमें करोड़ों की प्रॉपर्टी खरीदी गई, जिसके प्रमाण हमने लोकायुक्त को

दिए हैं और लोकायुक्त ने जांच करने का आश्वासन दिया है।

प्रशासनिक पारदर्शिता की कमी

नेता प्रतिपक्ष ने आगे कहा कि परिवहन घोटाले में बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार की खबरें सामने आयी हैं। यह एक गंभीर मुद्दा है जो प्रदेश की जनता की कमाई का दुरुपयोग और प्रशासनिक पारदर्शिता की कमी को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि तीन महीने हो चुके हैं मगर अब भी जांच ऐजेंसियों के हाथ खाली हैं और सरकार इसपर लीपापोती कर रही है। उन्होंने कहा कि मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत उनकी पत्नी, बच्चों और संजय श्रीवास्तव, संजय डांडे जैसे लोगों ने करोड़ों रुपए की बेनामी संपत्ति बनाई है इसकी जांच होनी चाहिए। उन्होंने भाजपा सरकार से भी सवाल किया कि इस घोटाले में शामिल बड़े मगरमच्छों के खिलाफ कार्यवाही कब होगी।

कमलनाथ बोले भ्रष्टाचार की राजधानी बना भोपाल, मंत्री सारंग ने बताया फ्रस्ट्रेशन का नतीजा

इंदौर। मध्य प्रदेश में कानून-व्यवस्था और भ्रष्टाचार को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश अव्यवस्था और भ्रष्टाचार की राजधानी बनता जा रहा है। इस बयान पर पलटवार करते हुए मंत्री विश्वास सारंग ने कहा है कि कमलनाथ जी को अपनी पंद्रह महीने की सरकार पर भी नज़र डालनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वे अपने फ्रस्ट्रेशन के कारण इस तरह की बातें कर रहे हैं। मध्यप्रदेश विधानसभा सत्र के दौरान सदन के बाहर पत्रकारों से बातचीत करते हुए कमलनाथ ने कहा कि मध्यप्रदेश कानून अव्यवस्था की राजधानी बन चुका है। भ्रष्टाचार की राजधानी बन चुका है। उन्होंने कहा कि पूरा देश मध्यप्रदेश को देख रहा है कि यहां किस तरह के हालात बन गए हैं। इससे पहले की कमलनाथ भ्रष्टाचार के मुद्दे पर बीजेपी सरकार पर कई बार निशाने पर ले चुके हैं। अब एक बार फिर उन्होंने सरकार पर सवालिया निशान लगाए हैं। बता दें कि कांग्रेस लगातार सरकार पर भ्रष्टाचार, कानून व्यवस्था, किसानों के मुद्दे, लाड़ली बहनों की राशि बढ़ाने सहित कई मुद्दों पर हमलावर है। विधानसभा के बजट सत्र में भी विपक्षी विधायक हर दिन अलग अलग मुद्दों पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। कभी मुंह पर काला कपड़ा बाँधकर, कभी नकली सांप लेकर तो कभी प्रतीकात्मक सोने की ईंट के साथ उनका विरोध जारी है।

मप्र में इलेक्ट्रिक प्रमोशन बोर्ड का होगा गठन

ईवी वाहनों के रजिस्ट्रेशन में मिलेगी 100 प्रतिशत छूट, चार्जिंग स्टेशन लगाने पर 30 प्रतिशत अनुदान

इंदौर। मध्यप्रदेश में ई बाइक और ई कार के लिए इलेक्ट्रिक प्रमोशन बोर्ड का गठन होगा। इसके तहत रजिस?ट्रेशन शुल्क में 100 प्रतिशत छूट मिलेगी। इसी तरह चार्जिंग स्टेशन लगाने पर सरकार 30 प्रतिशत अनुदान देगी। ईवी वाहनों के पंजीयन में प्रदेश सरकार छूट भी देगी। बता दें कि मध्यप्रदेश सरकार ने 5 साल में 80 प्रतिशत सरकारी वाहनों को इलेक्ट्रिक में बदलने का लक्ष्य रखा है। इसी तरह निजी वाहनों के लिए एक वर्ष तक रोड टैक्स भी फ्री होगी। सरकार की मानें तो प्रदेश के राजमार्गों, प्रमुख सडक़ों पर प्रत्येक 20 किलोमीटर पर एक चार्जिंग स्टेशन बनेगा। हैवी-ड्यूटी इलेक्ट्रिक वाहन के लिए फास्ट चार्जिंग स्टेशन लगाए जाएंगे। सरकारी छूट के चलते लोगों का रुझान अब धीरे-धीरे पेट्रोल वाहनों से शिफ्ट होकर इलेक्ट्रिक वाहनों की तरफ जा रहा है। यह वाहन पर्यावरण की दृष्टि से भी फायदेमंद है। ऐसे वाहनों से पर्यावरण को कोई नुकसान नहीं होता है। पर्यावरण संतुलन और संरक्षण के चलते सरकारें भी ऐसे वाहनों के लिए लोगों को प्रोत्साहित कर रही है।

मोहब्बत की दुकान के बाद कांग्रेस की मोहब्बत की होली

इंदौर। राहुल गांधी की मोहब्बत की दुकान के बाद अब जीतू पटवारी पहली बार कांग्रेस अध्यक्ष अपने भोपाल स्थित बंगले पर मोहब्बत की होली का आयोजन कर रहे हैं। इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ सभी वर्ग के नेताओं को आमंत्रित किया गया है। पटवारी किसी न किसी बहाने कांग्रेस को एकजुट करने की कोशिश में लगे हुए हैं और अब वे अपने बंगले पर होली मिलन समारोह के नाम पर मोहब्बत की होली कार्यक्रम का आयोजन करने जा रहे हैं। इस कार्यक्रम में उन्होंने कांग्रेस के सभी जिलाध्यक्षों, जनप्रतिनिधियों और अन्य बड़े नेताओं को आमंत्रित किया गया है। पहली बार प्रदेश कांग्रेस द्वारा इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। अभी तक भाजपा ही लोगों के बीच पारंपरिक त्यौहार मनाते आई हैं, लेकिन पटवारी ने इसकी पहल की है। बुधवार सुबह से उनके बंगले पर रंग-बिरंगे गुलाल और होली गीतों के साथ होली खेली जाएगी। इस दौरान विशेष रूप से जलेबी व्यंजन को मीठे के रूप में परोसा जाएगा। इसके साथ ही कचोरी, समोसे, भजिये और आलूबड़े के साथ-साथ ठंडाई की व्यवस्था भी रखी गई है। इसके बाद पटवारी इंदौर आकर यहां से निकलने वाली परंपरागत गेरों में शामिल होंगे।

मध्य प्रदेश नौकरशाही के भगवाकरण का श्रीगणेश

लेखक- राकेश अचल

मध्यप्रदेश में जो अब तक नहीं हुआ था,वो अब हो रहा है। मध्यप्रदेश में 2003 से अभी तक भाजपा की सरकार है। 19 महीने की कांग्रेस सरकार एक अपवाद थी। इस लंबे कार्यकाल में भाजपा ने प्रदेश में बहुत से नवाचार किये लेकिन पहली बार प्रदेश की नौकरशाही का भगवाकरण शुरू हुआ है वो भी सामंतों के शहर ग्वालियर से। ग्वालियर कलेक्टर श्रीमती रुचिका सिंह और निगमायुक्त संघप्रिय ने भाजपा द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह में न सिर्फ भाग लिया बल्कि भाजपा नेताओं के साथ तस्वीरें खिंचवाई और गले में भगवा दुपट्टे डलवाये।

मेरे पांच दशक की पत्रकारिता के अनुभव में ऐसे दृश्य पहले कभी देखने को नहीं मिले ,इसलिए मै चौंका भी और मुझे कुछ अटपटा भी लगा।सवाल ये है कि क्या भारतीय प्रशासनिक सेवा के अफसरों को किसी राजनीतिक दल के कार्यक्रम में शामिल होने का संवैधानिक अधिकार है ? या लोकसेवकों की कोई आचार संहिता भी है जो उन्हें राजनीतिक दलों की गतिविधियों में शामिल होने से रोकती भी है। सवाल ये नहीं है कि प्रशासनिक अधिकारी सत्तारूढ़ दल के कार्यक्रम में शामिल हुए,सवाल ये है कि क्या ऐसा कर उन्होंने कोई नजीर पैदा की है ? सवाल ये भी है कि लोकसेवकों के इस आचारण का आम जनता पर,और प्रशासनिक कामकाज पर भी कोई असर पडेगा या नहीं ?

जहाँ तक मेरा ज्ञान है कि लोक सेवा अधिनियम, 2007 (संशोधन, 2009) में जिन नैतिक मूल्यों पर बल दिया गया है, उन्हें नीति संहिता माना जा सकता है।इस नीति संहिता के मुताबिक लोकसेवक को संविधान की प्रस्तावना में आदर्शों के प्रति निष्ठा रखना।तटस्थता, निष्पक्षता बनाए रखना।

किसी राजनीतिक दल के प्रति सार्वजनिक निष्ठा न रखना। यदि किसी दल से लगाव हो तो भी अपने कार्यों पर प्रभाव न पड़ने देना।देश की सामाजिक-सांस्कृतिक विविधता के प्रति सम्मान का भाव रखते हुए वंचित समूहों (लिंग, जाति, वर्ग या अन्य कारणों से) के प्रति करुणा का भाव रखते हुए निर्णयन प्रक्रिया में उत्तरदायित्व एवं पारदर्शिता के साथ-साथ उच्चतम सत्यनिष्ठा को बनाए रखना चाहिए।

मेरे सम्पर्क में ऐसे बहुत से लोकसेवक रहे हैं जिनकी अपनी राजनीतिक निष्ठाएं थीं लेकिन वे कभी खुलकर किसी राजनीतिक दल के किसी कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए। एक आईपीएस थे अयोध्यानाथ पाठक ,वे तत्कालीन मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह के अंधभक्त थे। उन्होंने 1983 में महाराज बाड़ा पर एक संगठन की आमसभा में आरएसएस के खिलाफ खुलकर भाषण दिए थे। उनकी इस कार्रवाई पर विधानसभा में जमकर हंगामा हुआ था और पाठक जी को सफाई देना पड़ी थी।पाठक जी प्रदेश कि पुलिस महानिदेशक बनर सेवनिवृत हुए लेकिन किसी दल में शामिल नहीं हो पाए। एक आईएएस अफसर थे एसके मिश्रा वे बुधनी उपचुनाव के समय भाजपा की एक चुनाव सभा में कलेक्टर की हैसियत से तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह के सामने घुटनों के बल बैठे देखे गए तो उनके खिलाफ फौरन कार्रवाई की गयी। एक थीं शशि कर्णावत वे तत्कालीन मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के आगे-पीछे घूमती ही नहीं थीं बल्कि शासकीय कार्यक्रमों में भी कांग्रेस की बात करतीं थीं,आज उनका आता-पता नहीं है।

ग्वालियर कलेक्टर श्रीमती रुचिका सिंह और संघप्रिय भी इसी तरह राजनीतिक निष्ठाओं से बंधे लोकसेवक के रूप में चिन्हित किये गए हैं। इन दोनों के समाने विकल्प था कि ये दोनों भाजपा के होली मिलन समारोह में शामिल होने से इंकार कर सकते थे ,लेकिन इन दोनों ने ऐसानहीं किया। क्योंकि इन्हें लगा कि वे कुछ गलत नहीं कर रहे है। एक तरह से ये गलत है भी नहीं। किन्तु एक लोकसेवक के नाते इन दोनों का आचरण सवालों के घेरे में तो आता ही है। मुमकिन है कि इन दोनों ने सोचा हो की जब केंद्र सरकार ने शासकीय कर्मचारियों को आरएसएस के कार्यक्रमों में शामिल होने की छूट दे दी है तो फिर भाजपा के कार्यकक्रमों में शामिल होने से क्या हर्ज है ?

मुझे लगता है कि भाजपा की प्रदेश सरकार ग्वालियर के इन दोनों दुस्साहसी लिकसेवकों के आचरण के लिए इन्हें दण्डित करने के बजाय पुरस्कृत करेगी। इन दोनों ने पूरे प्रदेश की नौकरशाही के लिए एक नजीर पेश की है। अब मुमकिन है कि हर जिले में आपको प्रशासनिक अफसर सत्तारूढ़ दल के कार्यक्रमों में भगवा दुपट्टा डाले नजर आने लगें। शैक्षणिक संस्थानों में तो भवकरण अब पुरानी बात हो गयी है ,केवल एक प्रशासन इससे बचा था जो इस होली पर खुद भगवा हो गया।

वर्तमान समय में सिविल सेवकों के लिए आचार मानकों को भारतीय संविधान के अनुच्छेद-309 के तहठत सिविल सर्विस (कंडक्ट) रूल्स में उल्लिख़ति आचरण नियमों के आधार पर किया जाता है। इस पर एक कानून की आवश्यकता को समझकर ही भारत सरकार द्वारा सिविल सर्विस स्टैंडर्ड्स, परफॉरमेन्स एंड अकाउंटिबिलिटी बिल,2010 को लाया गया, जिसमें सिविल सेवकों को बहुआयामी ढंग से कार्यकुशल बनाने के लिए प्रावधान किए गए हैं। लेकिन अब ये तमाम प्रावधान मुझे निरर्थक होते दिखाई दे रहे हैं।

मै ग्वालियर जिले की कलेक्टर और ग्वालियर नगर निगम के आयुक्त को बधाई तो नहीं दूंगा किन्तु उनके दुस्साहस को सलाम जरूर करूंगा। मुझे प्रतीक्षा रहेगी प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन के भावी व्यवहार और निर्णय की किए वे अपने मातहतों के भगवाकरण को लेकर संज्ञान लेते हैं या इसकी अनदेखी करते हैं ? वैसे मुख्य सचिव को अभी तक तो किसी ने मैदान में विचरते देखा नहीं है।

मेरा अनुभव है कि तमाम लोकसेवकों के मन में एक अतृप्त कामना होती है नेतागिरी करने की। वे अनपढ़ नेताओं के सामने जब अपने आपको निरीह अवस्था में पाते हैं ,तब उन्हें लगता है कि क्या ही अच्छा होकि वे खुद राजनीती में आ जाएँ। जो दुस्साहसी हैं वे नौकरी छोड़कर राजनीती में आ ही जाते हैं और जो संकोची हैं वे सेवानिवृत्ति का इंतजार करते हैं। मप्र के एक पूर्व मंत्री पटवारी थे, नौकरी छोड़कर राजनीति में आये थे।

डॉ भगीरथ प्रसाद ,सरदार सिंह डंगस जैसे अनेक आईएएस अफसरों ने बाद में राजनीति की ही शरण ली ही और विधानसभाओं तथा संसद तक में पहुंचे। श्रीमती रुचिका सिंह और संघप्रिय ने भी सरकार के सामने अपनी रूचि का प्रदर्शन कर दिया है। अब आपको ,सबको इंतजार करना पड़ेगा इन दोनों को राजनेता के रूप में ढलते देखने का। हमारी शुभकामनायें।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं प्रधान संपादक सुनील वर्मा के लिए डीबी कार्प प्रॉ.लि. प्रेस, 44-46/ए, सेक्टर - एफ , इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड,
इन्दौर से मुद्रित तथा 1/4, परदेशीपुरा, इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। * मो.: 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com